सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 15 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 29 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

## खास-खबर

### छत्तीसगढ़ में कारोबारियों के घर एसीबी-ईओडब्ल्यू की रेडः रायपुर, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव में छापा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में एसीबी-ईओडब्ल्यू की संयुक्त टीमों ने बुधवार सुबह छापेमारी की है। रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और धमतरी में कार्रवाई की है। रायपुर में पचपेड़ी नाका स्थित वॉलफोर्ट इन्क्लेव में अशोक और अमित कोठारी के घर टीम ने रेड की है। इनका इक्विपमेंट सप्लाई का काम है।

राजनांदगांव में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा गया है। राधाकृष्ण अग्रवाल के यहां दबिश दी गई है। इनका कोल माइंस का कारोबार है। वहीं ललित भंसाली, जो टेंट कारोबार से जुड़े हैं, सरकारी स्कूलों के सामान का सप्लायर है। यश नाहटा भी सप्लायर हैं और कंप्यूटर, टीवी सहित अन्य सामान की सप्लाई करते हैं।

दुर्ग में महावीर नगर स्थित कारोबारी नीलेश पारख के यहां जांच की गई, जबकि धमतरी के सिर्री में 5 घंटे की कार्रवाई के बाद टीम लौट गई है। यहां EOW की टीम सुबह 7 बजे ठेकेदार अभिषेक त्रिपाठी के घर दबिश थी। डीएमएफ घोटाले से जुड़ी जांच के तहत कार्रवाई की गई। यह जांच डीएमएफ फंड के तहत सरकारी सप्लाई में अनियमितताओं और कमीशन लेनदेन को लेकर की जा रही है। टीमें फिलहाल शासकीय सप्लाई से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि DMF घोटाले में पहले भी कई बड़े अधिकारी जेल जा चुके हैं। हालांकि, अब तक अधिकारियों की ओर से किसी भी कार्रवाई को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

### मोन्था तूफान का छत्तीसगढ़ में असर, 27 जिलों में अलर्ट

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में चक्रवात 'मोन्था' का असर देखने को मिल रहा है। सरगुजा संभाग में सुबह के वक्त बारिश हुई। यहां तीन दिन बारिश की चेतावनी है। इससे पहले रायपुर सहित कई इलाकों में सुबह तेज हवाएं चलती रही। मौसम विभाग ने आज भी 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है।

ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, बालोद, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, कबीरधाम और मुंगेली शामिल हैं। इसी प्रकार यलो अलर्ट वाले जिलों में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बलौदा बाजार, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा शामिल हैं। इन जिलों में बिजली गिरने और बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग के जिलों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। खासकर दक्षिण छत्तीसगढ़ के बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जिलों में यह प्रभाव ज्यादा रहेगा। वहीं कल यानी 30 अक्टूबर को बिलासपुर और सरगुजा संभाग के जिलों के कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है।

## बच्चों की जन्म तिथि प्रमाणित करने जन्म प्रमाण पत्र जरूरी, सरकार का निर्देश

### अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे सभी बच्चों के लिए अनिवार्य है जन्म प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे बच्चों की जन्म तिथि प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र ही एकमात्र वैध आधार होगा। भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2023 में संशोधित ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया है, जिसके माध्यम से राज्य में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र ऑनलाइन बनाए जा रहे हैं। इस प्रकार, छत्तीसगढ़ राज्य में प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र का ऑनलाइन बनाया जाना अनिवार्य किया गया है।**

उल्लेखनीय है कि जन्म-मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में वर्ष 2023 में संशोधन किया गया है। संशोधन के अनुसार अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे बच्चों की जन्म तिथि प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र ही एकमात्र वैध आधार होगा। इस तिथि के पूर्व जन्मे बच्चों के मामलों में अन्य वैकल्पिक दस्तावेज भी जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में मान्य रहेंगे। परंतु अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे बच्चों के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही तिथि प्रमाण का एकमात्र स्रोत होगा। राज्य में अप्रैल 2023 के बाद से जन्मे प्रत्येक बच्चे के लिए ऑनलाइन जारी जन्म प्रमाण पत्र को ही मान्य किया गया है।

### अक्टूबर 2023 के पूर्व जन्मे बच्चों के लिए अनिवार्य नहीं

इस प्रकार स्पष्ट है कि अक्टूबर 2023 के पूर्व जन्मे बच्चों के जन्म तिथि प्रमाणन के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य नहीं है। उनके लिए अन्य दस्तावेज भी मान्य हैं। लेकिन अक्टूबर 2023 के बाद जन्मे बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र ही जन्म प्रमाण का एकमात्र आधार होगा। पूर्व में जिन बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र मैन्युअल पद्धति से जारी किया गया था, उनके लिए भी अब पोर्टल में ऑनलाइन प्रमाण पत्र बनाने का प्रावधान उपलब्ध है। इससे पुराने प्रमाण पत्र भी डिजिटल स्वरूप में सुरक्षित किए जा सकेंगे।

### आधार कार्ड बनाने के मामले में मिल रही शिकायतें

यह संज्ञान में आया है कि कुछ जिलों में केवल उन्हीं जन्म प्रमाण पत्रों के आधार पर आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं जिनमें क्यूआर कोड है। यह विषय संज्ञान में आने पर इस विषय में राज्य सरकार द्वारा सहायक प्रबंधक, UIDAI हैदराबाद से अनुरोध किया गया है कि वे राज्य के सभी आधार केंद्रों को उचित दिशा-निर्देश जारी करें।

### ऑनलाइन बनाए जा रहे जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र

वर्ष 2023 में संशोधित पोर्टल के लॉन्च के बाद प्रारंभिक चरण में कुछ तकनीकी कठिनाइयां आई थीं, जिन्हें भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा समाधान कर दिया गया। साथ ही राज्य के सभी रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) को नए पोर्टल के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। आवश्यकता अनुसार जिला स्तर पर भी नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है। राज्य में अप्रैल 2023 के बाद से सभी जन्म प्रमाण पत्र केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से बनाए जा रहे हैं, और वर्तमान में पोर्टल पूरी तरह से तकनीकी रूप से सुचारू रूप से संचालित है।

## खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 24 नवंबर से 5 दिसम्बर तक राजस्थान में होंगे

### केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि केआईयूजी 'गौरव की दिशा में पहला कदम'

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान के सात शहरों में 24 नवंबर से 5 दिसम्बर 2025 तक आयोजित होंगे। इसमें 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन स्पोर्ट (खो-खो) में प्रतियोगिताएं होंगी। इसी साल कुछ समय पहले में बिहार में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तरह, यूनिवर्सिटी गेम्स भी राजस्थान के सात शहरों जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर में आयोजित होंगे। इस 12 दिनों के यूनिवर्सिटी आयोजन में 5,000 से अधिक एथलीटों के आने की उम्मीद है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से किया जाता है।

केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स' भारत के खेल मार्ग में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। राजस्थान में आयोजित होने वाले ये यूनिवर्सिटी गेम्स हजारों छात्रों को न केवल खेलों को पढ़ाई के समानांतर ही आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही प्रतियोगिता

एवं सौहार्द्र के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत भी करेंगे।

### 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन श्रेणी का स्पोर्ट्स

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 में 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन श्रेणी के स्पोर्ट्स होंगे। मेडल स्पोर्ट्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, फेंसिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, मल्लखंब, रग्बी, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, योगासन, साइक्लिंग, बीच वॉलीबॉल, कैनोइंग और कयाकिंग शामिल हैं। खो-खो एक डेमोंस्ट्रेशन इवेंट होगा। पहली बार केआईयूजी इसमें कैनोइंग, बीच वॉलीबॉल, और कयाकिंग तथा साइक्लिंग को शामिल किया जा रहा है।

## विधायक रिकेश सेन की पहल : दिवंगत पत्रकार संतोष यादव के परिवार को हर माह मिलेंगे 15 हजार रुपए

### ■ रिकेश ने कहा - विधायक कार्यकाल के शेष मानदेय से 15 हजार यादव परिवार को

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई के वरिष्ठ पत्रकार संतोष यादव के आकस्मिक निधन को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने समाज और परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए सहयोग स्वरूप विधायक मानदेय से प्रतिमाह 15 हजार रुपए यादव परिवार को दिए जाने की घोषणा की है।

बता दें कि विगत 3 अक्टूबर 2025 को भिलाई-3 निवासी पत्रकार संतोष यादव का हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। संतोष का असमय इस दुनिया से चला जाना उनके परिवार के लिए वज्रपात से कम नहीं था। ऐसे विकट स्थिति में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने यादव परिवार को आर्थिक सहयोग करने यह पहल की है। संतोष यादव के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला यादव, पुत्री अदिति यादव व पुत्र आदित्य यादव हैं। परिवार के लालन पालन की सारी जिम्मेदारी दिवंगत संतोष पर ही थी। श्री सेन ने कहा कि संतोष के असमय निधन से यादव परिवार और समाज को गहरा आघात पहुंचा है। विभिन्न समाचार पत्र में

अपनी कलम से वो हमेशा क्षेत्र के विकास और समाज को नई दिशा देते रहे, उनके आकस्मिक निधन से हम सभी आहत हैं और यादव परिवार को हर संभव? सहयोग करेंगे ताकि उन्हें आर्थिक रूप से किसी तरह की अड़चनों का सामना न करना पड़े।

विधायक सेन ने बताया कि उनके शेष इस विधायक कार्यकाल से हर महीने 15 हजार की सहायता राशि से दिवंगत संतोष के दोनों बच्चों की शिक्षा बेहतर ढंग से पूरी हो जाएगी तथा वो परिवार के लालन पालन के लिए अपने पैरों पर खड़े हो जाएंगे। विधायक सेन ने इससे पूर्व अपना पहला पूरा मानदेय नेहरू नगर गुरूद्वारा को ई रिक्शा तथा तीन माह का मानदेय सिद्ध श्री बाबा बालकनाथ मंदिर खुर्सीपार में? रोटी बनाने की मशीन के लिए समर्पित कर चुके हैं।

उन्होंने ग्रीन वैली में गार्ड दुर्ग निवासी गणपत साहू की हत्या पर उनकी पत्नी को 50 हजार की सहायता के आलावा दीपक नगर दुर्ग में झुलसे अभिषेक यादव, खमरिया में झुलसे हेमचंद्र और कैम्प क्षेत्र के बालक दिव्यांश की सर्जरी का पूरा खर्च उठाया है। अपनी पुस्तैनी जमीन बेच कर वो बैकुंठधाम तालाब का निर्माण करवा चुके हैं। सामाजिक सरोकार के ऐसे अनेक कार्य हैं जिनके लिए आर्थिक सहयोग करते रहे हैं।

## मोन्था' का महा-तांडवः चक्रवात तूफान का दिखा भयानक असर, आंध्र-ओडिशा में भारी तबाही

**विशाखापट्नम ए.।** बंगाल की खाड़ी में उठे भयंकर चक्रवाती तूफान 'मोन्था' का असर इस वक्त ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में साफतौर पर देखा जा रहा है। मंगलवार की रात में जब इस तूफान ने आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट से टकराकर 'लैंडफॉल' किया, तो इसकी भीषणता ने सबको हिलाकर रख दिया। इस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे थी, जिसने कई इलाकों में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है।

चक्रवात मोन्था के लैंडफॉल के बाद आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के झोंकों ने बड़े-बड़े पेड़ों को जड़ से उखाड़ दिया है और समुद्री किनारे बसे कई कच्चे मकान पूरी तरह से ढह गए हैं। तूफान की मार इतनी जबरदस्त थी कि मछलीपट्टनम में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है, जिससे हजारों लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी। मोन्था चक्रवात ने किसानों की कमर तोड़ दी है। अकेले आंध्र प्रदेश में, आंकड़ों के अनुसार, लगभग 38,000 हेक्टेयर फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इतना ही नहीं, फल और सब्जियों की 1.38 लाख हेक्टेयर में लगी बागवानी फसलें भी बर्बाद हो गई हैं।

### राहत शिविरों में 76,000 लोग

चक्रवात की चेतावनी के चलते सरकार ने पहले ही तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया था। इस आपदा से बचाव के लिए अब तक 76,000 लोगों को सुरक्षित राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। मोन्था के कारण रेल और हवाई यात्रा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। सोमवार और मंगलवार को कुल 120 ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं। हवाई यात्रा की बात करें तो विशाखापत्तनम से संचालित होने वाली 32 उड़ानें और विजयवाड़ा एयरपोर्ट से 16 उड़ानें रद्द हुई हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जानकारी दी है कि लगभग 3,778 गांवों में भारी बारिश होने की आशंका है। पड़ोसी राज्य ओडिशा भी मोन्था की चपेट में है, जहां 15 से अधिक जिले प्रभावित हुए हैं और विशेष रूप से 8 जिलों (जैसे मलकानगिरी, कोरापुट, गजपति) में भारी नुकसान हुआ है। पेड़ गिरने से रास्ते बंद हो गए हैं, जिन्हें हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है।

## लिव इन रिलेशन का खौफनाक अंत

श्रीकंचनपथ

दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे 32 वर्षीय रामकेश मीणा की हत्या कर दी गई। इसके बाद तेल, घी और शराब डालकर उसे जला दिया गया। साक्ष्य छिपाने के लिए गैस सिलेंडर से फ्लैट में धमाका कर दिया गया। पुलिस को घटना की सूचना हाउसिंग सोसायटी के रहवासियों ने दी। जांच पड़ताल के दौरान शव बरामद हुआ। पूछताछ और पड़ताल के बाद पुलिस ने उसकी लिव इन पार्टनर 21 वर्षीय अमृता चौहान, 27 वर्षीय सुमित कश्यप और 29 वर्षीय संदीप कुमार को मुरादाबाद से अरेस्ट कर लिया। फोरेंसिक साइंस की स्टूडेन्ट अमृता ने बताया कि रामकेश के साथ उसका ब्रेकअप हो गया था। रामकेश के पास उसके अश्लील फोटो और वीडियो थे जिन्हें वह डिलीट नहीं कर रहा था। उसने अपने एक्स बॉयफ्रेंड को इसकी जानकारी दी। दोनों ने मिलकर उसे रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। उसके एक्स ने अपने दोस्तों को भी इसमें शामिल कर लिया। पहले दो लोग फ्लैट में गए और गला दबाकर रामकेश की हत्या कर दी। फिर अमृता अपने एक्स के साथ वहां गई और सबूत मिटाने में जुट गए। आग लगाने से पहले उन्होंने रामकेश के पास रखी हार्ड डिस्क, लैपटॉप और बाकी सामान को बटोरा और फिर फरार हो गए। दरअसल, लिव इन का विरोध करने वाले इसी खतरे के प्रति लोगों को आगाह करना चाहते हैं। युवा उम्र में रिलेशनशिप का भूत सिर चढ़कर बोलता है। युवा जोड़े एक दूसरे पर हद से ज्याद यकीन करने लगते हैं। यही उनकी पूरी दुनिया होती है जिसके बाहर की आवाजें उनके कानों तक नहीं पहुंचती। यह वह उम्र होती है जब घर वाले भी दुश्मन नजर आते हैं। इसी भरोसे में दोनों एक-दूसरे को अपना सबकुछ सौंप देते हैं। पर भारत पश्चिम नहीं है। यहां कुछ मान्यताएं हैं, कुछ सामाजिक बंधन भी हैं जो भले ही प्रकट न हों पर उनका असर बहुत गहरा है। यहां ब्रेकअप इतना भी आसान नहीं है। एक्स रिलेशनशिप की बात सामने आने पर भले ही लड़कों का ज्यादा कुछ न बिगड़ता हो पर लड़कियों के लिए आज भी डूब मरने का सामान हो जाता है। पहले कापियों से सूखे फूल, कुछ प्रेम भरी चिट्ठियां बरामद हो जाती थीं तो उसे लेकर भी भारी बवाल हो जाता था। जब से स्मार्ट फोन आया है लोग फोटो और वीडियो सहेजने लगे हैं। वीडियो कॉल के दौरान वे अश्लील हरकतें करते हैं जिसका स्क्रीनशॉट आसानी से सेव किया जा सकता है। उसपर यह जोड़ा तो लिव-इन में था। इसलिए जो तस्वीरें और वीडियो उन्होंने बनाए होंगे वह दोनों के लिये ही मुसीबत का कारण बन सकते थे। यही कारण है कि समाज के ठेकेदार और माता-पिता फिजिकल रिलेशनशिप के खिलाफ हैं। कानून असमंजस में है। पुलिस स्कूल-कालेजों में जाकर समझाइश दे रही है। पर युवा जोश के आगे ये सभी कोशिशें नाकाम साबित हो रही हैं। वो गलतियां कर रहे हैं और भुगत भी रहे हैं।

## संपादकीय

# एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

लोकतंत्र की आत्मा उसके निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफ़रातफ़री से बचा जा सके। आधार कार्ड को एक सहायक दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी। निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।

> “ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्रहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विसंगतियों एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल न केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है।

आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआईआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है। मतदाता सूची की सटीकता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता लोकतंत्र की रीढ़ है। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में मतदाता सूची की सटीकता सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिये एक निश्चित अन्तराल के बाद एसआईआर की प्रक्रिया होते रहना अपेक्षित है। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी-पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। कई बार देखा गया है कि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहते हैं, वहीं नये पात्र नागरिकों के नाम दर्ज नहीं हो पाते। ग्रामीण इलाकों से लेकर महानगरों तक, इस विसंगति के चलते मतदान प्रतिशत प्रभावित होता है और चुनावी परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगता है। एसआईआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे। मुख्य चुनाव आयुक्त की यह पहल-इन खामियों को दूर करने की दिशा में एक संगठित और वैज्ञानिक लोकतांत्रिक प्रयास है। यदि यह कार्य धरातल पर ईमानदारी से लागू हुआ, तो यह मतदाता सूची की पवित्रता और लोकतंत्र की गरिमा दोनों को बढ़ाएगा।

भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये यह बहुत जरूरी है, इसके लिये राजनीतिक दलों की भूमिका एवं सहयोग अपेक्षित है, वे इस प्रक्रिया को सकारात्मक दृष्टि से लें। इस सराहनीय एवं नितांत अपेक्षित उपक्रम के लिये विपक्षी दलों के द्वारा विरोध का वातावरण बनाना एवं आस्तीनें चढ़ाना उनकी विश्वसनीयता एवं जिम्मेदारी पर प्रश्न खड़ा करता है। अक्सर देखा गया है कि जब चुनाव आयोग सुधारात्मक कदम उठाता है, तो विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। परंतु लोकतंत्र का स्वास्थ्य तब ही सुदृढ़ होगा जब सभी दल ‘पारदर्शिता’ को ‘राजनीतिक लाभ-हानि’ से ऊपर रखेंगे।

# आगे जाता आसियान और पीछे होता सार्क

**दक्षिण एशिया का शुमार दुनिया के सबसे पिछड़े इलाकों में होता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयासों में लगने वाले राजनीतिक अड़ंगे। इस इलाके का सहयोग संगठन दक्षेस खामोश है। नवंबर, 2014 में काठमांडू के शिखर सम्मेलन के बाद से उसका कोई सम्मेलन नहीं हुआ है। हाल में दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया को लेकर दो तरह की खबरें मिली थीं, जिनसे दो तरह की प्रवृत्तियों के संकेत मिलते हैं।**

प्रमोद जोशी

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तरीके से और विदेशमंत्री एस जयशंकर स्वयं उपस्थित हुए थे। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कम्युनिटी विज़न 2045 को अपनाने के लिए आसियान की सराहना की। कम्युनिटी विज़न 2045 अगले बीस वर्षों में इस क्षेत्र को एक समेकित समन्वित विकास-क्षेत्र में तब्दील करने की योजना है।

अपने आसपास के राजनीतिक माहौल को देखते हुए यह ज़ाहिर होता जा रहा है कि भारत को पूर्व की दिशा में अपनी कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार करना होगा। यह विस्तार हो भी रहा है, पर म्यांमार की अस्थिरता और बांग्लादेश की अनिश्चित राजनीति के कारण कुछ सवाल खड़े हो रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के पांच देशों (कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम) के साथ सांस्कृतिक और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने वाले ‘गंगा-मीकांग सहयोग कार्यक्रम’ में हमें तेजी लानी चाहिए।

अब उस दूसरी खबर की ओर आएं, जो इस सिलसिले में महत्वपूर्ण है। भारत के सरकारी स्वामित्व वाले भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने गत 22 अक्तूबर से अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बांग्लादेश से इंटरनेट बैंडविड्थ का आयात बंद कर दिया। इस कदम का सीधा असर पूर्वोत्तर की इंटरनेट कनेक्टिविटी पर पड़ेगा, जो अभी तक बांग्लादेश अखौरा बंदरगाह के माध्यम से आयातित बैंडविड्थ पर निर्भर थी।

यह फैसला अचानक नहीं हुआ है। पिछले साल दिसंबर में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हसीना सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर को बैंडविड्थ की आपूर्ति के लिए बांग्लादेश को ट्रांज़िट प्वाइंट के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। बांग्लादेश टेलीकम्युनिकेशंस रेग्युलेटरी कमीशन (बीटीआरसी) का कहना था कि भारत को ट्रांज़िट पॉइंट देने से क्षेत्रीय इंटरनेट हब बनने की हमारी क्षमता कमज़ोर हो जाएगी।

भारत का पूर्वोत्तर पहले घरेलू फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क का उपयोग करके चेन्नई में समुद्री केबलों के माध्यम से सिंगापुर से जुड़ा हुआ था। चूंकि चेन्नई में लैंडिंग स्टेशन पूर्वोत्तर से लगभग 5,500 किमी दूर है, इसलिए इंटरनेट की गति पर असर पड़ता था।

बहरहाल अब भारत पूर्वोत्तर राज्यों में इंटरनेट कनेक्शन पूरी तरह से अपने फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क और नए सैटेलाइट सिस्टम के जरिए देगा। इसके लिए भारतनेट प्रोजेक्ट में बड़े सुधार किए गए हैं, जो भारत का अपना डिजिटल नेटवर्क है। साथ ही इसरो के हाई-स्पीड सैटेलाइट नेटवर्क को भी बेहतर तरीके से जोड़ा गया है। इन बदलावों की वजह से अब पूर्वोत्तर राज्यों को तेज और भरोसेमंद इंटरनेट मिलेगा, बिना किसी बाहरी देश पर निर्भरता जताए हुए। भारत और बांग्लादेश के बीच यह महत्वपूर्ण सहयोग था, जो दक्षिण एशिया में कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करता था। यह सहयोग भी एकतरफा नहीं था। भारत भी बांग्लादेश को बैंडविड्थ दे रहा है, जिसे बांग्लादेश अब कम करता जा रहा है। बांग्लादेश ने दूसरे देशों, जैसे सिंगापुर वगैरह से समुद्र में बिछे केबलों के मार्फत बैंडविड्थ आयात शुरू किया है। बात केवल यह नहीं है कि वे अपनी बैंडविड्थ को बढ़ा रहे हैं, महत्वपूर्ण है भारत की अनदेखी करना।

इस साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में छात्रों के विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार के पराभव का एक साल पूरा हो गया है। इस दौरान वहां की अंतरिम सरकार बड़े-बड़े फैसले कर रही है, जिनमें कनेक्टिविटी, व्यापार और यहां तक कि रक्षा से जुड़े विषय भी शामिल हैं। हालांकि वहां अगले साल फरवरी में चुनाव कराने की घोषणा की गई है, पर एक तबका अब भी चाहता है कि चुनाव टाले जाएं और अंतरिम सरकार न केवल नीतियों के मामले में बल्कि संविधान से जुड़े मामलों में भी बुनियादी फैसले करे।

पिछले साल तक भारत की ‘नेबरहुड फर्स्ट’ और ‘एक्ट ईस्ट’ नीतियों के मूल में, बांग्लादेश एशिया में शीर्ष पांच निर्यात स्थलों में से एक और भारत के पर्यटन निर्यात का सबसे बड़ा स्रोत था। यह नई दिल्ली की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी महत्वाकांक्षाओं में भी एक महत्वपूर्ण कड़ी थी, जिसमें सड़क, रेल, ऊर्जा और डिजिटल नेटवर्क को एक इच्छुक भागीदार के रूप में ढाका के साथ सीमाओं के पार एक साथ जोड़ा गया था। राजनीतिक बदलाव ने इस यात्रा को रोककर विपरीत दिशा में बढ़ाना शुरू कर दिया है। व्यापार और ट्रांसशिपमेंट अधिकारों को निलंबित करने के साथ कनेक्टिविटी संपर्क बाधित हो गए हैं। इतना ही नहीं चीन-पाक से रिश्ते सुधारने की दिशा में इस देश ने असाधारण तेजी दिखाई है।

भारत के साथ रेलवे लाइनों जैसी भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजनाओं को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। इसकी शिकार भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (आईबीएफपी) भी हुई है। भारत-बांग्लादेश मैत्री उपग्रह-कार्यक्रम ठंडे बस्ते में चला गया है। ऐसे तमाम दूसरे कार्यक्रम रोक दिए गए हैं। यात्री ट्रेनों के निलंबन ने द्विपक्षीय रिश्तों के सबसे मूल्यवान उपकरण-जनता के संपर्क को तोड़ा है। बांग्लादेश के लोग इलाज के लिए भारत आते थे, उन्हें चीन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। घटनाक्रम रेखांकित करता है कि दक्षिण एशिया में सीमा पार कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण किस हद तक राजनीतिक हवा पर निर्भर करते हैं।

मार्च, 2025 में चीन की यात्रा के दौरान बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ बताया और बांग्लादेश को ‘इस पूरे क्षेत्र में महासागर का एकमात्र संरक्षक’घोषित किया था। अप्रैल में, भारत ने भारतीय क्षेत्र से पारगमन करने वाले बांग्लादेशी सामानों को पहले दिए गए ट्रांसशिपमेंट अधिकारों को वापस ले लिया। मई में खबरें आईं कि भारतीय सीमा से महज 12 किलोमीटर दूर लालमोनिरहाट में एक पुराने हवाई अड्डे को चीन की मदद से बांग्लादेश पुनर्जीवित करने जा रहा है। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी समस्या कनेक्टिविटी की है। ऐतिहासिक रूप से यह इलाका कभी आपस में अच्छी तरह जुड़ा हुआ था, पर अब नहीं है। इन देशों में कनेक्टिविटी परिवहन (जैसे समुद्री मार्ग, सड़क और रेल), व्यापार और डिजिटल माध्यमों (जैसे उपग्रह) के माध्यम से बेहतर की जा सकती है। इस समय इन देशों के बीच अंतर-क्षेत्रीय व्यापार दुनिया में सबसे कम है, जो एकीकरण की कमी को दर्शाता है।

दक्षिण एशिया का शुमार दुनिया के सबसे पिछड़े इलाकों में होता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के प्रयासों में लगने वाले राजनीतिक अड़ंगे। इस इलाके का सहयोग संगठन दक्षेस खामोश है। नवंबर, 2014 में काठमांडू के शिखर सम्मेलन के बाद से उसका कोई सम्मेलन नहीं हुआ है। उस सम्मेलन में दक्षेस देशों के मोटर वाहन और रेल संपर्क समझौते पर सहमति नहीं बनी, जबकि पाकिस्तान को छोड़ सभी देश इसके लिए तैयार थे। नवाज़ शरीफ के नेतृत्व में वहां की सरकार भी समझौते के पक्ष में दिखाई पड़ती थी, पर अंतिम क्षणों में वहां की सेना ने वह समझौता नहीं होने दिया।

भारत ने दक्षिण एशियाई उपग्रह परियोजनाओं की पेशकश की, जिसमें शामिल होने से पाकिस्तान ने इनकार कर दिया। सार्क जैसे संगठन सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर वह भी निष्क्रिय पड़ा है। चाबहार बंदरगाह जैसे आर्थिक गलियारे भी राजनीति के शिकार हुए हैं। भारत-बांग्ला इंटरनेट कनेक्टिविटी इसका ताज़ा उदाहरण है।

**लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।**

# बिहार में विधानसभा चुनावों में जाति व्यवस्था या महिला सशक्तिकरण का प्रश्न?

अजय दीक्षित

बिहार विधानसभा चुनावों में जातियों का ध्रुवीकरण हो रहा है। हालांकि यह बात नई नहीं है क्योंकि बिहार देश की सामाजिक न्याय और जाति व्यवस्था की प्रयोगशाला है। केंद्रीय सरकार ने पूरे देश में जनगणना कराई है उसमें जाति गत ब्यौरा भी है। बिहार में जाति गणना के परिणाम आगये है । अति पिछड़ी जातियों की संख्या 36.87 फीसदी है जबकि पिछड़ी जाति 27, अगड़ी जातियों 15.25 , यादव 14.89 ,मुस्लिम 17.42 फीसदी है। छोड़ी जातियों कुर्मी, निषाद, कोइरी,है । अनुसूचित जाति 19.05 और जनजाति 1.68 फीसदी है। कुल आबादी तेरह करोड़ से अधिक है। अगड़ी जातियों में ब्राह्मण 3.75, भूमिहार 5.25 राजपूत 3.95, वैश्य 2.12 फीसदी हैं।

राजनीतिक रूप से बिहार में मगध, पटना, बेगुसराय, दरभंगा क्षेत्र है।इन क्षेत्रों में 38 जिले ,101, अनुभाग और 243 विधानसभा सीट है। मुख्य भाषाओं में भोजपुरी, मैथिली,प्रमुख हैं। बिहार विधानसभा चुनावों में जातियों के गणित को भारतीय जनता पार्टी जैसी राजनीतिक दल भी नकार नहीं रहे हैं हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव में बिहार में ही जाति व्यवस्था के आधार पर राजनीतिक दलों ने गठबंधन किया है प्रत्येक राज्य में ऐसा होता है लेकिन उसकी सीमा होती है। महागठबंधन में राजद माई फैक्टर को लेकर चल रही है और उसका कोर मतदाता मुस्लिम और यादव है जिनका जोड़ 32 फीसदी के आसपास है। लेकिन माई फैक्टर में से यादव वोट बिखर सकता है और कुछ उम्मीदवार के हिसाब से डाल सकते हैं। लेकिन मुस्लिम मत भी नीतीश कुमार के पक्ष में जा सकता है।हृष्ठ की ओर से 101 सीट पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू चुनाव लड़ रही है वहीं नीतीश कुमार के जेडीयू उम्मीदवार को भारतीय जनता पार्टी का स्वर्ण वोट ,अति पिछड़ी जातियों का वोट मिलता रहा है। भारतीय जनता पार्टी भी 101 सीट पर चुनाव लड़ रही है उसको गैर यादव पिछड़ी जातियों,स्वर्ण वोट, मिल सकते हैं लेकिन यह तय है कि मुस्लिम मतदाता भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए वोट करेगा । कांग्रेस 61 सीट पर चुनाव लड़ रही है उसे मुस्लिम ,यादव,अति पिछड़ी जातियों, स्वर्ण वोट भी मिल सकता है लेकिन कांग्रेस के पास प्रचारकों की कमी है और महागठबंधन के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा कोई प्रचारक नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेषकर 48 फीसदी मतदाता महिलाओं में बहुत लोकप्रिय हैं।अगर अन्य राज्यों की तरह ये वोटर सक्रिय हो जाता है तो हृष्ठ की बढ़त निश्चित है। हिंदुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर का कहना है कि नीतीश कुमार सरकार जिन एक करोड़ महिलाओं को दस दस हजार रुपए दिए हैं स्वसहायता समूह चलाने के लिए यह मुद्दा बिहार की तीन करोड़ नब्बे लाख महिलाएं मतदाता में बहुत ही महत्वपूर्ण रोल प्ले करने वाला है। यद्यपि तेजस्वी यादव ने भी जीविका दीदियों को ३०० प्रति महीने देने का वायदा किया है अब ये चुनाव में ही मालूम पड़ता है कि किसका वायदा महिलाओं में लोकप्रिय होता है।

शशि शेखर ने कहा कि राजद का कोर मतदाता यादव तेजस्वी की कमजोरी भी है क्योंकि इस तबके को बिहार का बाहुबली माना जाता है और अन्य जातियां इसके खिलाफ मतदान करती हैं। बिहार में नीतीश कुमार की इमेज भी एक फैक्टर है। उन्होंने शासकीय नौकरी में 27 फीसदी आरक्षण दिया है।इससे पुलिस बल, शिक्षा विभाग में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है।यह भी महिला सशक्तिकरण का अंग है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के नाम पर ही चुनाव जीता। झारखंड में जेएमएम ने भी यही तरीका अपनाया था।

अन्य मुद्दों पर गौर करें तो यह मालूम होता है कि कानून व्यवस्था,विकास,के मामले में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में पहली पसंद बने हुए हैं। केंदीय योजनाओं का लाभ भी जैसे प्रधानमंत्री सड़क, राष्ट्रीय राज मार्ग प्राधिकरण की सड़क परियोजना, हवाई अड्डे के निर्माण कार्य में बिहार को केन्द्रीय मदद मिली है।

# तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ

डॉ. विभा नायक

**नदियां किसी भी संस्कृति का प्राण तत्व हैं। विभिन्न संस्कृतियों के जन्म और उनके विकास का आधार यही नदियाँ हैं जो अपने अमृत से अपनी संततियों में जीवन रस का संचार करती हैं। विश्व का इतिहास साक्षी है कि तमाम सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ है। नदियों के निकट की उर्वर भूमि, जल की निरंतर उपलब्धता, प्राकृतिक संपदा और संसाधन और इन सबसे प्रभावित और संतुलित ऋतु चक्र के कारण ही सभ्यताओं को फलने-फूलने के लिए सबसे उत्तम स्थान नदियों के किनारे ही मिला। यही कारण है कि प्रकृति एवं पंच शक्ति पूजक हम भारतीयों के लिए नदी केवल जल की एक धारा मात्र नहीं रही, बल्कि वह उस विराट मातृ शक्ति का रूप भी है, जिसका कार्य ही है अपनी संततियों का पालन और पोषण करना। किन्तु आज की स्थितियों में हम पाते हैं कि हमने नदियों से लिया तो बहुत कुछ है किन्तु बदले में उन्हें हम कुछ दे नहीं पाए हैं, सिवाय अस्वच्छता के।**

भारत में 200 से अधिक छोटी बड़ी नदियाँ हैं। कुछ आँकड़ों के अनुसार यह संख्या 400 के आस पास है। जिनमें कुछ मुख्य और कुछ सहायक नदियाँ हैं तो कुछ छोटी और बरसाती नदियाँ हैं। इन नदियों का धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से बड़ा महत्व रहा है। कुम्भ स्नान, गणेश चतुर्थी, कार्तिक स्नान, मकर संक्रांति में डुबकी और छठ पर्व के अतिरिक्त विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नदियों की पूजा और उनमें डुबकी लगाने का विधान है, शुभ कार्यों, पूजन के भोग और पंचामृत में गंगा जल का क्या महत्व है, इससे तो सभी परिचित ही हैं तो मोक्ष प्राप्ति के लिए सनातन काल से अस्थि विसर्जन भी इन्हीं नदियों में ही होता आया है। सीधा सा अर्थ है कि भारतीय नदियों का संबंध भारत की सनातन चेतना, परंपरा और आस्था से तो है ही औद्योगिक और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी इनका बहुत महत्व है।

किन्तु विगत कुछ वर्षों में देखा गया है कि तीव्र गति से हो रही जनसंख्या वृद्धि, औद्योगिक विकास, घरेलू एवं कृषि क्षेत्र में बढ़ते दबावों के कारण जल की मांग अत्यधिक बढ़ी है, जिससे पेय जल की समस्या का संकट खड़ा तो हुआ ही है, जल की गुणवत्ता में भी कमी आई है। हमारी नदियाँ तीव्र गति से प्रदूषित हो रही हैं। विभिन्न खतरनाक तत्व जिसमें अमोनिया, नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे उर्वरक, डिटर्जेंट, तेल और हाइड्रोकार्बन, कैडमियम, पारा, सीसा जैसे रासायनिक कचरे, स्टायरोफोम, प्लास्टिक और पोलीथिन सम्मिलित हैं, नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार प्रतिदिन 60 प्रतिशत से अधिक अशोधित जल भी सीधे नदियों में जाता है। सीधी सी बात है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण का यह स्तर न केवल नदी की जैविकी को नुकसान पहुँचा रहा है बल्कि आम जन-जीवन को भी प्रभावित कर रहा है।

हालांकि भारत सरकार द्वारा नदियों के लिए कई योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं जिनमें राष्ट्रीय नदी संरक्षण, गंगा एक्शन प्लान, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे, यमुना सफाई अभियान प्रमुख हैं किन्तु ये योजनाएँ तभी सफल हो सकती हैं, जबकि लोक चेतना और उसमें भी नारी शक्ति उससे जुड़ी हो। संभवतः इसी विचार से जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान का आरंभ किया।

जिसका आदर्श वाक्य है- जीवन के लिए पानी का सम्मान। चूँकि जल प्रबंधन का कार्य घरों में महिलाएँ ही संभालती हैं। जल के महत्व और उसका प्रबंधन स्त्रियाँ बहुत कुशलता से करती हैं, अतः जल संरक्षण का कार्य महिलाओं को सौंपा जाना सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस संबंध में सबसे अच्छी बात यह है कि इस योजना का उद्देश्य जल संरक्षण के क्षेत्र में स्त्रियों की भागीदारी को मान्यता देना, उन्हें जमीनी स्तर से आगे लाकर राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ना और इस प्रकार दूसरों को जल सुरक्षित भविष्य से जोड़ने का क्रांतिकारी विचार भी सम्मिलित है। इसी योजना के अंतर्गत 36 महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस संबंध में राष्ट्रपति डॉ द्रौपदी मुर्मू का कथन है कि-

देश में स्वच्छता अभियान और स्वच्छ पेय जल जैसी लोगों से जुड़ी देशव्यापी योजनाओं की सफलता में देश की महिला शक्ति की भूमिका अहम है और इस अभियान का आधार नारी है।

इसी योजना के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशिक्षित और जागरूक भी किया जा रहा है, जिसका असर ज़मीनी स्तर पर भी देखा जा रहा है। ग्रामीण अंचलों में भी देखें तो महिलाएँ प्लास्टिक और पॉलिथीन के प्रयोग से बचने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं। प्लास्टिक की बोतलें जो जल और समग्र प्रकृति के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं, महिलाएँ उनसे गुलदस्ते बनाकर कर स्व-रोजगार को भी बढ़ावा दे रही हैं। इसी प्रकार ग्रे वाटर प्रबंधन की व्यवस्था, जिससे नालियों से निकलने वाला पानी पीने के पानी को दूषित न करे और जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों जैसे यमुना की स्वच्छता में भी दिल्ली की मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई स्वयं सेवी संस्थान जिनमें बड़ी संख्या में स्त्रियाँ भी हैं, महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

केवल इतना ही नहीं स्त्रियों के नेतृत्व में नदियों और जल प्रबंधन से सबंधित और भी कार्य हो रहे हैं, जिसका एक उदाहरण हैं भारतीय वैज्ञानिक डॉ नीलिमा गुप्ता, जिन्होंने लगभग चार दशक से अधिक समय तक गंगा नदी के प्रदूषण पर शोध करके प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, डब्लूडब्लू एफ, एनजीटी को अपने शोध से परिचित कराया और इससे सम्बद्ध कई परियोजनाएँ भी संचालित कीं।

नदियों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर उनका कहना है कि नदियों में बढ़ते प्रदूषण के कारण परजीवी बढ़ रहे हैं। जलीय जीवन इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिसका कुप्रभाव पर्यावरण और स्वास्थ्य के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। इसी प्रकार सी टू सोर्स गंगा नदी अभियान में भारत और बांग्लादेश में गंगा नदी में प्लास्टिक प्रदूषण का अध्ययन करने वाली महिला टीम भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भी नदियों विशेषकर गंगा में बढ़ते प्रदूषण और उसके कारण समुद्र में निरंतर बढ़ते प्लास्टिक और अन्य प्रकार के कचरे की ओर ध्यान दिलाना है, जिसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र और जलीय जीव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544



# श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

## खास खबर

### बीएसपी के बार एंड रॉड मिल ने रचा कीर्तिमान

**भिलाई।** भिलाई इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल ने उत्कृष्ट उत्पादन करते हुए 26 अक्टूबर 2025 को चुनौतीपूर्ण 10 मिलीमीटर टीएमटी बार श्रेणी में 2598 टन (1261 बिलेट्स) का रिकॉर्ड उत्पादन कर नया दिवस कीर्तिमान स्थापित किया। इस उपलब्धि के साथ ही बीआरएम ने 21 सितंबर 2024 को दर्ज 2590 टन (1259 बिलेट्स) के रिकॉर्ड को पार किया। इस उपलब्धि पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र तथा कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने बीआरएम बिरादरी को बधाई दी और टीम को नये लक्ष्यों की ओर अग्रसर होने और आगे भी नयी उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए संकल्पित किया।

### प्रधानमंत्री आवास के लिए आवास ऋण मेला का आयोजन

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के मकानहीन परिवारों को इस योजना के तहत आवास आबंटित किया जा रहा है। योजना के नोडल अधिकारी सह अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा ने बताया कि पीएम आवास के हितग्राहियो को मकान के किस्त का पैसा जमा करने में समस्या आ रही है। हितग्राहियों की समस्या को देखते हुए प्रधानमंत्री आवास के जिन हितग्राहियों को मकान के किस्त का पैसा जमा करने में समस्या आ रही है। उन हितग्राहियों के लिए बैकुण्ठधाम स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन में आवास ऋण मेला का आयोजन किया गया है। बीएलसी घटक के हितग्राहियो को भी ऋण मेला में आमंत्रित किया गया है। मेला में लगभग 130 हितग्राही शामिल हुए जिनमे से 12-13 हितग्राही ऋण की श्रेणी में आये है।

### अतिक्रमणकारियों पर निगम की बड़ी कार्यवाही

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 01 नेहरू नगर अंतर्गत सुपेला घड़ी चौंक से गदा चौक तक रोड साइड के व्यापारियो द्वारा अपने दुकानों के सामने अस्थायी अतिक्रमण को राजस्व अधिकारी सुनील जोशी एवं जोन 02 के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा, राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर अवैध अतिक्रमण पर बेदखल किया। जोन 1 एवं 02 मिलाकर कुल 90 दुकानों के सामने बांस बल्ली से किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। जोन 02 क्षेत्र के 12 दुकानदारों से सड़क बाधा शुल्क के रूप में 30500 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई।

### निगम क्षेत्र के 6 स्थलों पर धूल मुक्त कार्यक्रम

**भिलाई।** भारत सरकार की पहल राष्ट्रीय धूल मुक्त कार्यक्रम (नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम) के तहत नगर निगम क्षेत्रांतर्गत 6 स्थलों का चयन किया गया है। नेहरू नगर चौक, घड़ी चौक, पावर हाउस चौक, छावनी चौक, सूर्यामॉल चौंक एवं चंद्रा मोर्या चौक शामिल है। इस पर 80 लाख खर्च होंगे. निविदा एजेंसी चयन हो गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य वायु प्रदूषण नियंत्रण करते हुए लेफ्ट फ्री रोड का निर्माण करना है।

## भू-विज्ञान में भी हैं रोजगार के अपार अवसर, साइंस कॉलेज में जियो कॉन्क्लेव

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** भूविज्ञान में रोजगार की अपार संभावनायें है, केवल विद्यार्थियों को लगन एवं समर्पण की भावना से ईमानदारी पूर्वक अध्ययन करने की आवश्यकता है। ये उद्गार छत्तीसगढ़ शासन के वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक अमिताभ बाजपेयी ने आज व्यक्त किये। वे शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित जियो कान्कलेव 2025 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में क्षमता विकास अर्थात् केपेसिटी बिल्डिंग को विशेष महत्व दिया गया है, इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जियो कान्कलेव का आयोजन किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. देशमुख ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। निर्णायक के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉ. डी.पी. कुइति तथा एन.आई.टी. रायपुर के डॉ. डी.सी. झारिया उपस्थित थीं. उद्घाटन सत्र का संचालन भूविज्ञान की स्नातकोत्तर छात्रा रूचि देशमुख तथा फाल्गुनी साहू ने किया।

भूविज्ञान के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि कान्कलेव के अंतर्गत जो प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी, उनमें क्विज प्रतियोगिता में रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रथम स्थान पर रहे द्वितीय स्थान पर एन.आई. टी. रायपुर के एवं तृतीय स्थान पर साईंस कालेज, दुर्ग एवं दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के रहे। इसी प्रकार पोस्टर प्रतियोगिता में साईस कालेज दुर्ग की कामिनी देवांगन,प्रथम साईस कालेज दुर्ग की यूलाया द्वितीय तथा जयंती बाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पीपीपी प्रतियोगिता में साईस कालेज, दुर्ग के मोहन लाल पटेल प्रथम रविषंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के हेमंत कुमार द्वितीय तथा दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव सुरेन्द्र उमरे तृतीय स्थान हासिल किया। पेबल आर्ट प्रतियोगिता में एन.आई.टी रायपुर की प्रथम रिया द्वितीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव की निशांत उमरे तथा साईस कालेज, दुर्ग के झलक मिश्रा तृतीय को स्थान मिला। मॉडल प्रतियोगिता में साईस कालेज, दुर्ग के अर्जुन सोनकर प्रथम एवं कुसुम पटेल को द्वितीय स्थान मिला डिजिटल फोटोग्राफी में साईस कालेज दुर्ग के अर्जुन सोनकर प्रथम, सौम्य पाण्डेय द्वितीय तथा अभिनाष साहू तृतीय रहे।

## 15 नवम्बर से शुरू होगी धान खरीदी कलेक्टर के निर्देश पर तैयारियां शुरू

### जिले में बने कुल 12 केन्द्र, 9 नवम्बर से कटने लगेगा टोकन

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया 15 नवम्बर से प्रारंभ होगा। जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया.

दुर्ग, धमधा, पाटन एवं भिलाई-3 चरोदा के सभी अनुविभागों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, नोडल अधिकारी, धान उपार्जन केंद्र, सहकारी समितियों के अध्यक्ष/प्राधिकृत अधिकारी, समिति प्रबंधक, सेवा सहकारी समिति के प्रतिनिधि एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को तीन पालियों में बी.आई.टी. कॉलेज दुर्ग में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर जिला कलेक्टर ने संबंधित विभाग अधिकारियों को 15 नवम्बर से शुरू होने वाली धान खरीदी प्रक्रिया के पहले सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 123 खरीदी केंद्रों (नए व पुराने) में इस वर्ष खरीदी की जाएगी, जबकि 9 नवम्बर से टोकन कटना शुरू हो जाएगा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 30 अक्टूबर तक सभी शेष किसानों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगले दो-तीन दिनों में अपने-अपने केंद्रों का निरीक्षण कर लें और जहां भी कोई कमी हो, उसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं ताकि सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो सके। मोबाइल नेटवर्क, स्टोरेज की स्थिति और ट्रकों के मार्ग में आने वाली बाधाओं (जैसे बिजली तार, पेड़ की डालियां आदि) की जांच पहले ही कर ली जाए। कलेक्टर ने कहा कि 36 संवेदनशील केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। पहली बार नोडल अधिकारी बने अधिकारियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी नीति का गहन अध्ययन करने तथा किसी भी शंका के समाधान के लिए ग्रुप में चर्चा करने को कहा। साथ ही प्रत्येक सप्ताह मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए और किसानों के रकबा समर्पण की प्रक्रिया समय पर सुनिश्चित की जाए।

यदि कोई किसान पूरा बेच दिया तो तत्काल रकबा समर्पण कराए। समर्पण हेतु घोषणा पत्र प्रारूप खाद्य विभाग से जारी कर दें। खरीदी केंद्रों में कोचिया व बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। खरीदी के दौरान उपस्थित किसानों से उनके दस्तावेज और ऋण पुस्तिका की जांच अवश्य की जाए। कलेक्टर ने मिलर्स के साथ समन्वय बनाए रखने, समय पर धान उठाव सुनिश्चित करने और हमालों को समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। किसी भी विवाद या समस्या की तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों को देने को कहा।

## दुर्ग गंज मंडी में 2 से 4 नवंबर तक राज्योत्सव

### स्टॉल का किराया 1000 रुपए प्रतिदिन

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** जिला प्रशासन द्वारा पुराना गंज मंडी परिसर में इस वर्ष भव्य राज्योत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय उत्सव 2 से 4 नवंबर तक चलेगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, कला, हस्तशिल्प, व्यंजन और स्थानीय उत्पादों का शानदार प्रदर्शन किया जाएगा।

इसमें केवल फूड ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र की सहभागिता होगी। राज्योत्सव ग्राउंड छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा, लोककला और व्यंजनों से महकेगा। निगम द्वारा स्टॉल आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर 1000 प्रतिदिन किराया तय किया गया है।

यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बनेगा, बल्कि स्थानीय कलाकारों, उद्यमियों और कारीगरों के लिए रोजगार व पहचान का उत्कृष्ट अवसर भी प्रदान करेगा।

फूड स्टॉल हेतु 10 स्थान निर्धारित किए गए हैं। सीमित संख्या होने के कारण प्रतिभागियों से समय पर आवेदन करने का आग्रह किया गया है।

राज्योत्सव के दौरान पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत, शिल्पकला प्रदर्शन, हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी और स्थानीय व्यंजनों का स्वाद उपस्थित लोगों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराएगा।

फूड लवर्स के लिए अलग से फूड कोर्ट बनाया जा रहा है, जहाँ छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के साथ अन्य पारंपरिक पकवानों का आनंद लिया जा सकेगा। यहां स्थानीय स्वाद के साथ आधुनिक व्यंजन भी उपलब्ध रहेंगे।

#### तैयारियों में जुटा जिला व निगम प्रशासन

जिला प्रशासन द्वारा स्थल की सजावट, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, मंच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी जोरों पर है। आयोजन स्थल को पूरी तरह आकर्षक रूप देने के लिए निगम और प्रशासनिक अमले की टीमें लगातार कार्यरत हैं।

जिला प्रशासन व निगम प्रशासन ने शहरवासियों, व्यापारियों, कलाकारों और नागरिकों से अपील की है कि वे इस तीन दिवसीय राज्योत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेकर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली परंपराओं का उत्सव मनाएं। साथ ही रोजगार भी प्राप्त करें।

## सूर्यदेव को अर्घ्य देकर महापौर ने की मंगल कामना

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** आस्था, श्रद्धा और पवित्रता के प्रतीक महापर्व छठ पूजा के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग की मेयर अलका बाघमार ने सोमवार को शहर के प्रमुख घाटों सिंधिया नगर, शक्ति नगर और शीतला मंदिर तालाबों — में पहुँचकर छठी मैया की पूजा-अर्चना की। उन्होंने सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर नगर एवं प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।

मेयर बाघमार ने कहा कि छठ पूजा भारतीय संस्कृति की जीवंत मिसाल है। यह पर्व नारी शक्ति, पर्यावरण और आत्मसंयम का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें शुद्धता, अनुशासन और समर्पण की भावना सिखाता है। नगर निगम की ओर से घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, मनोज सोनी, अरुण सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मेयर बाघमार के साथ मिलकर छठी मैया से नगर की खुशहाली, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

मेयर ने कहा छठी मैया की पूजा हमें प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति सम्मान का भाव सिखाती है। नगरवासियों की यही श्रद्धा और एकता दुर्ग को एक आदर्श शहर बनाती है।

## आधार अपडेशन के लिए जिले में 40 स्थानों पर लगाए शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार चिन्हित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराने के लिए जिले भर के 40 केन्द्रों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी, सह. जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार संबंधित संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विद्यालयों के विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेज के साथ अपडेशन कार्य में अनिवार्यतः उपस्थिति सुनिश्चित करायें। संबंधित संस्था प्रमुख अपने विद्यालय के विद्यार्थियों को प्राथमिकता के साथ में बायोमेट्रिक अद्यतन/आधार अपडेशन कार्य पूर्ण कराने के पश्चात् आस-पास के शासकीय/अशासकीय विद्यालयों के बच्चों को भी अवसर प्रदान करेंगें। मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन कार्य प्रत्येंक विद्यार्थी को पाँच वर्ष की आयु में एवं दूसरा पन्द्रह वर्ष की आयु में करना अनिवार्य है। वर्तमान में 0 से 17 वर्ष आयु के विद्यार्थियों के लिए मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन कार्य, अक्टूबर 2026 तक के लिए निःशुल्क है। किसी भी स्थिति में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट/आधार अपडेशन कार्य तथा अपार आई.डी. जनरेट करने का कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करना अत्यावश्यक है।

## जीएसटी ग्रीवेंस रिड्रेसल मीटिंग में शामिल हुआ चेंबर

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में चेम्बर प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी विभाग द्वारा आयोजित तीसरी ग्रीवेंस रिड्रेसल कमेटी (जीआरसी) मीटिंग में भाग लिया। मीटिंग मंगलवार को न्यू सर्किट हाउस में, नया रायपुर में आयोजित की गई थी।

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि बैठक में जीएसटी से संबंधित विभिन्न व्यावसायिक शिकायतों, तकनीकी मुद्दों और नीतिगत अस्पष्टताओं पर चर्चा की गई। चेम्बर वाइस चेयरमेन सी.ए. चेतन तारवानी ने बताया कि हम लगातार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि जीएसटी प्रणाली व्यापार-अनुकूल हो। जीआरसी मीटिंग में हमारी भागीदारी यह दर्शाती है कि हम अपने सदस्यों की चिंताओं को सीधे सरकारी मंचों पर उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयासरत हैं।

तारवानी ने चेम्बर की ओर से निम्नलिखित सुझाव/मांगें रखीं:-

जीएसटी कम्पोजीशन 3 करोड़ तक होना चाहिए क्योकि इंकम टैक्स में 3 करोड़ तक खाता बही रखने से छूट दी गई।

जीएसटी की नोटिस किसी कंपनी के बजाय गवर्नमेंट डोमेन से होना चाहिए।

जब देरी का कारण वास्तविक हो तो अपील की समय सीमा 3 माह से बढ़ानी चाहिए।

अपील का ऑर्डर विभाग द्वारा एक वर्ष के अंदर अनिवार्य रूप से करना चाहिए जो वर्तमान में 18 से 24 माह तक पेंडिंग है।

धारा 122 में चाहे 100 रुपए की हो तो भी न्यूनतम पेनल्टी 10000 की लगती है, पेनाल्टी गलती की सीमा तक होनी चाहिए।

जीएसटी नोटिस मेल आईडी के साथ साथ व्हाटअप में भी आनी चाहिए ताकि व्यापारी समय सीमा में जवाब दे सके।

चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने सुझाव दिया कि माल बेचने वाले सप्लायर द्वारा किसी कारण से अगर जीएसटी रिटर्न समय पर नहीं भरा जाता तो उसको जवाबदारी माल खरीदने वाले की होती है, एवं माल खरीदने वाले से जीएसटी टैक्स वसूली जाती है, इससे माल खरीदने वाले की गलती न होने पर भी टैक्स का दोहरा भुगतान करना पड़ता है, जबकि माल बेचने वाला जो कि एक रजिस्टर्ड टैक्स पेयर है, वह गलती करने के बाद भी बरी रहता है, इस नियम में सुधार होना चाहिए।

इस अवसर पर चेम्बर वाइस चेयरमेन सी.ए.चेतन तारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष जितेन्द्र शादीजा, मंत्री प्रशांत गुप्ता एवं सदस्य रवि सचदेव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

### पीजी कॉलेज ऑफनर्सिंग में भाषण प्रतियोगिता

**भिलाई।** सेल-बीएसपी में मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत हॉस्पिटल सेक्टर स्थित पीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक के रूप में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अभिलेखा बिस्वाल एवं जीएम पीआर आर. रंजनी उपस्थित रहीं। 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की.

इस अवसर पर महाप्रबंधक रेणु गुप्ता तथा वरिष्ठ प्रबंधक अनुराग मित्तल ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। संचालन कॉलेज की प्राध्यापिका स्नेहा गुहा ने किया तथा प्रोफेसर डॉ. श्रीलता पिल्लई ने आभार व्यक्त किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह केंद्रीय सतर्कता आयोग की पहल है, जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना एवं पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नैतिक आचरण को प्रोत्साहित करना है।

## खास खबर...

### चोकावाड़ा में शासकीय भूमि पर चर्च निर्माण का आरोप

**जगदलपुर।** बस्तर जिले के ग्राम चोकावाड़ा में नजूल शासकीय भूमि पर अवैध रूप से चर्च निर्माण किए जाने और पेड़ों की अवैध कटाई किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बजरंग दल, जिला बस्तर इकाई ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। संगठन ने कहा है कि जिस स्थान पर यह निर्माण कार्य चल रहा है, वह शासकीय भूमि है और वहाँ किसी भी ईसाई धर्मावलंबी परिवार का निवास नहीं है। ऐसे में चर्च निर्माण का कोई औचित्य नहीं बनता। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर पेड़ों की अवैध कटाई की गई है, जो पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर अपराध है। ज्ञापन में प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि संबंधित भूमि की तत्काल जांच कराई जाए, अवैध निर्माण व पेड़ कटाई पर रोक लगाई जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

### फरसगांव-पासंगी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य शुरू

**कोंडागांव।** फरसगांव से पासंगी मार्ग पर एक नया पुल निर्माण कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पासंगी और रांधना जाने वाले वाहन चालकों को चिचाड़ी या बोरगांव मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। एसडीएम फरसगांव अश्वन पुसाम ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन की सुरक्षा प्राथमिकता में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। पुल निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

### जनदर्शन में दिव्यांग मलसाय नेताम को तत्काल मिला राशन कार्ड

**कोंडागांव।** कलेक्टर जनदर्शन के दौरान ग्राम सोडमा निवासी मलसाय नेताम की समस्या का समाधान तत्काल कर दिया गया। मलसाय बचपन से ही दिव्यांग हैं, परंतु उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कक्षा 10 तक की शिक्षा प्राप्त की। उनका परिवार मुख्यत: खेती पर निर्भर है। मलसाय अपने भाइयों के साथ घर के छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग करते हैं। जनदर्शन के दौरान मलसाय ने राशन कार्ड न होने की समस्या कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के समक्ष रखी। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खाद्य विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया कि उनका राशन कार्ड तुरंत तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराएं। शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने मौके पर ही मलसाय नेताम को राशन कार्ड प्रदान किया।

### 11 साल बाद दायर की गई अनुकंपा नियुक्ति की अपील खारिज

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एसईसीएल कर्मचारी की मौत के 11 साल बाद दायर की गई अनुकंपा नियुक्ति की अपील खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि इतनी देर से किए गए आवेदन से योजना का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है, क्योंकि यह योजना अचानक आय के स्रोत समाप्त होने पर परिवार को तत्काल राहत देने के लिए बनाई गई है। एसईसीएल के एसडीएल ऑपरेटर स्वर्गीय इंजार साय की ड्यूटी के दौरान 14 अगस्त 2006 को मृत्यु हो गई थी। उनकी दो पत्नियों के बीच विवाद होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति का मामला लंबे समय तक अदालतों में उलझा रहा।

### कन्या कॉलेज में शस्त्र प्रदर्शनी और वाद-विवाद प्रतियोगिता

**कोरबा।** पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में सोमवार को शस्त्र प्रदर्शनी एवं राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के दिशा-निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली, आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं आधुनिक हथियारों की देना था। आर.आई. अनथराम पैकरा, एस.आई. अंगध्वज राठौर, उपनिरीक्षक अजय सोनवानी (साइबर सेल प्रभारी) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# तीन शहरों में स्मार्ट ई-बस सेवा जल्द

## सबसे पहले भिलाई के डी-मार्ट से छूटेगी बस, चार्जिंग स्टेशन बनते ही संचालन होगा प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्य में शीघ्र ही केंद्र सरकार की मदद से चार शहरों में 240 पीएम ई बसें दौड़ने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण पर चल रही है। राजधानी रायपुर, कोरबा, बिलासपुर, भिलाई सबस्टेशन चार्जिंग स्टेशन का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। अगले महीने प्रधानमंत्री इ बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। इसके तहत राजधानी रायपुर को सौ बसें आबंटित की जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर तथा कोरबा की सड़कों पर ई बस चलाने की तैयारियां अंतिम चरण पर है। इसका उद्योग शहरीय क्षेत्रों को प्रदूषण मुक्त और स्मार्ट परिवहन सुविधा दिलाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर यह सौगात मिल रही है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार इसे शहरीय परिवहन में क्रांति आएगी तथा परिवहन संरक्षण को लाभ मिलेगा। नगरीय प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार अन्य शहरों को भी इस योजना में शामिल करने की तैयारी की जा रही है ताकि डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता कम रहे तथा

सुगम किफायती यातायात की सुविधा मिले।

राज्य में सबसे पहले भिलाई से प्रधानमंत्री इलेक्ट्रीय बस सेवा शुरू होगी। डी मार्ट नेहरू नगर के सामने बस स्थानक का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। बस स्थानक में बाउंड्रीवाल पहले ही बन चुकी है। बसों को खड़ी करने और चार्जिंग पाइंट का काम चल रहा है। भिलाई से राजधानी रायपुर समेत अन्य स्थानों के लिए 50 बस दौड़ेगी।

नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त ने बताया कि राजधानी में सौ ई बसें चलाई जाएंगी। इसके लिए सब स्टेशन तथा चार्जिंग पाइंट का काम अंतिम दौर पर है। नई राजधानी में डिपो बनाया जाएगा। इसके अलावा राजधानी के अंदर जगह जगह बस स्टॉफ बनाया जाएगा। बिलासपुर में कोनी स्थित सिटी बस डिपो में सब स्टेशन और चार्जिंग का काम अंतिम दौर पर है। इसके लिए डेढ़ करोड़ रुपये दिये है। केंद्रीय टीम ने निर्माण कार्य की प्रगति का कार्य का जायजा लिया है। बसों की खरीदी टेंडर प्रक्रिया और वर्क ऑर्डर के बाद सिटी ई बस टर्मिनल का काम शुरू किया गया है।

नगरीय निकाय विभाग के अधिकारियों के अनुसार बसों का क्रय तथा संचालन एजेंसी का चयन केंद्र सरकार द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय सहायता सुनिश्चित किमी संचालन के आधार पर दी जाएगी। अगर बसें इससे कम किमी चलती है तो केंद्रीय सहायता उसी के अनुपात पर कम हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा प्रदर्शन के आधार पर आर्थिक सहायता दी जाएगी। नगर निगम द्वारा भारत सरकार से स्वीकृत प्राप्त होने के बाद संचालन हेतु मीटरिंग का काम चालू किया जा रहा है। यह योजना पारदर्शितापूर्वक लागू की जाएगी।

# एम्स में 68 गुर्दा व 91 कॉर्निया का प्रत्यारोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** एम्स रायपुर में भारत में अंगदान और ज़ीनो-ट्रांसप्लांटेशन बढ़ाने के उपाय विषय पर एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान डॉ. दिपांकर भौमिक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किया गया।

डॉ. भौमिक ने बताया कि भारत में हर वर्ष लगभग पाँच लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, किंतु मृतक अंगदाता दर विश्व में सबसे कम है—लगभग 0.5 प्रति मिलियन जनसंख्या, जबकि स्पेन में यह 48 प्रति मिलियन और अमेरिका में उससे भी अधिक है। भारत अंग प्रत्यारोपण में तीसरे स्थान पर है, परंतु अधिकांश दाता जीवित व्यक्ति हैं। उन्होंने जनजागरूकता, मीडिया के माध्यम से प्रचार, और स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा के ज़रिए मृतक अंगदान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने अस्पताल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, ब्रेन डेथ की घोषणा पर प्रशिक्षण, और शोक परामर्श की व्यवस्था की जरूरत पर बल दिया। साथ ही उन्होंने अंगदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने और धार्मिक एवं सामुदायिक नेताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की भी अपील की।

लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ, एम्स रायपुर ने बताया कि संस्थान ने अब तक 68 गुर्दा प्रत्यारोपण और 91 नेत्र कॉर्नियल प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए हैं। हाल ही में एक विशेष किडनी ट्रांसप्लांट वार्ड का उद्घाटन किया गया है, और अब हृदय तथा अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण इकाइयों के उन्नयन का कार्य प्रगति पर है।

# राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालयों में आयोजित होंगे राज्योत्सव कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि राज्य स्थापना दिवस 2025 के अवसर पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भव्य राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में राज्य के मंत्रीगणों, सांसदों तथा विधायकों को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य शासन ने प्रत्येक जिले के लिए मुख्य अतिथि के नामों की घोषणा की है।

राज्य शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार राजनांदगांव जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष और सरगुजा में रामविचार नेताम मंत्री कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इसी प्रकार बिलासपुर जिला मुख्यालय में तोखन साहू केन्द्रीय राज्य मंत्री, बस्तर में उप मुख्यमंत्री अरूण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इसी प्रकार गरियाबंद में मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा रायगढ़ में मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सूरजपुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में मंत्री टंकराम राम वर्मा, बालोद में मंत्री गजेन्द्र यादव, कोरिया में मंत्री राजेश अग्रवाल और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में मंत्री गुरू खुशवंत साहेब जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

बलौदाबाजार-भाटापारा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद संतोष पाण्डेय, बलरामपुर-रामानुजगंज में सांसदश्री चिंतामणी महाराज, महासमुंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ति में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, कांकेर में सांसद भोजराज नाग तथा खैरागढ़-गंडई-छुईखदान में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

वहीं मुंगेली जिले में विधायक पुन्नू लाल मोहले, कोण्डागांव में विधायक लता उसेंडी, नारायणपुर में विधायक विक्रम उसेंडी तथा सुकमा जिले में विधायक श्री किरण देव जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

### मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन के तहत 192 श्रद्धालु रवाना

**गरियाबंद।** मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत गरियाबंद जिले के पांचों विकासखंडों से आज कुल 192 श्रद्धालु सहित श्रद्धालुओं के देखरेख के लिए 5 अनुरक्षक भी तीन बसों के माध्यम से पवित्र तीर्थस्थलों - प्रयागराज, हनुमानगढ़ एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। यह यात्रा 27 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की गई है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बीएस उइके, वरिष्ठ नागरिक श्री अनिल चन्द्राकर ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके, जनपद अध्यक्ष सोहन ध्रुव, उपाध्यक्ष लेखराम साहू, राधेश्याम सोनवानी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर, उपस्थित रहे। कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। योजना अंतर्गत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक तथा 60 वर्ष से कम आयु वर्ग के विधवा/परित्यक्ता महिलाओं के श्रद्धालु तीर्थ यात्रा के लिए पात्र हैं।

# चक्रवात मोंथा के प्रभाव ने किसानों की परेशानी बढ़ाई

## बदली-बूंदाबांदी से फसल हुई प्रभावित

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रदेश में चक्रवात मोन्था के असर आज सुबह से दिखाई पड़ा राजधानी में जहा हल्की वर्षा हुई। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ में अनवरत वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बढ़ती नमी के कारण राजधानी में इस समय पतंगा तथा हरा सफेद माहो का प्रकोप दिखाई पड़ रहा है। धान की खड़ी फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। सब्जियों की फसल भी बुरी तरह से प्रभावित हुई है जिससे परेशानी बढ़ी है।

कृषि विभाग के अनुसार रायपुर सहित अन्य संभागों में हो रही वर्षा के कारण इस समय धान की कटाई एवं मिजाई में विलंब हो रहा है। खेतों में पानी भरा हुआ है, जिसके कारण हार्वेस्टर नहीं चल पा रहा है। इस समय किसान परेशान है, खेतों में भूरा माहो का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसके कारण धान की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। किसानों के अनुसार इससे धान की क्वालिटी पर असर पड़ेगा। किसानों के अनुसार यह वर्षा हानिकारक है।

डॉ. चन्द्रा ने बताया कि चक्रवाती तूफान रिजर्व हो गया है तथा आज समुद्र तट से टकरा गया है, जिसके कारण अब इसका असर ओड़िशा, आन्ध्रप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में दिखाई पड़ रहा है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण 27 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा होने की संभावना है। 28 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से 60 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है और 29 अक्टूबर को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

### कलार समाज ने मनाई अपने इष्टदेव सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती

**जगदलपुर।** विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर के दरभा ब्लाक के ग्राम नेगानार में संभागीय कलार समाज (जुगानी) द्वारा सहशस्त्रबाहु अर्जुन जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। किरण देव ने जय सहशस्त्रबाहु अर्जुन जयंती के पूजा अर्चना में शामिल होकर भगवान से बस्तर एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की और समाज को जयंती की शुभकामनाएं और बधाई दी।

इस अवसर पर किरण देव ने कहा कि कलार समाज जुगानी प्रति वर्ष सहस्त्रबाहु अर्जुन जंयती धूमधाम से मनाता आ रहा है। यह इष्ट के प्रति समाज के लोगों की प्रबल आस्था का प्रतीक है। किरण देव ने समाज को भरोसा दिलाया कि समाज की मांगों को जल्द पूरा किया जाएगा।

उन्होंने समाज को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि समाज द्वारा लगातार समाज हित के लिए योजना के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।

# लावाहोरी की लीलावती के घर पहुंचा जल-जीवन

## मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की ग्राम पंचायत में जलजीवन मिशन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** जल जीवन मिशन से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी और भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घाघरा के ग्राम लावाहोरी निवासी लीलावती को अब शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। मिशन के तहत् हर घर नल हर घर जल योजना से घर पर ही शुद्ध जल मिलने से उनका जीवन आसान हो गया है।

गौरतलब है कि लावाहोरी में वर्षों से पानी की समस्या ने लोगों के जीवन को कठिन बना दिया था। यहाँ की महिला लीलावती बताती हैं कि पहले स्वच्छ पेयजल की तलाश में उन्हें प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर कुएँ या हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। बरसात के मौसम में कुएँ का पानी गंदा हो जाता था और गर्मियों में पानी सूख जाता था। ऐसे में घर के सारे काम, बच्चों की देखभाल और पीने के पानी का इंतजाम - सब कुछ एक संघर्ष बन गया था।

लीलावती बताती हैं कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन की सौगात इस गाँव तक

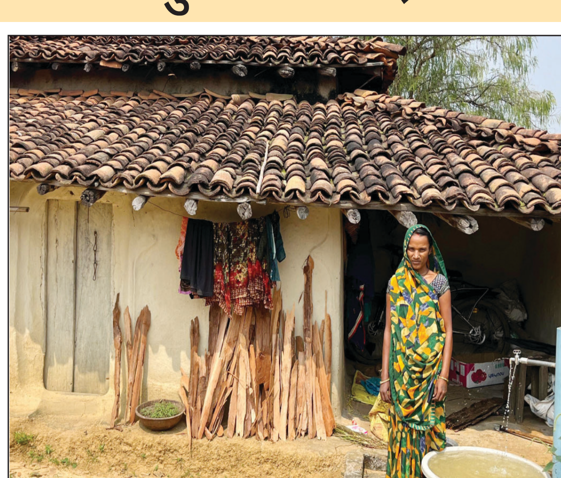

पहुँची, तो लावाहोरी की तकदीर बदल गई। अब हर घर में नल से स्वच्छ जल उपलब्ध है और लोगों के चेहरे पर राहत और खुशी झलकने लगी है।

लीलावती बताती हैं कि अब हमें सुबह जल्दी उठकर पानी भरने के लिए दौड़ना नहीं पड़ता। नल खोलते ही साफ, ठंडा और सुरक्षित पानी घर में आता है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य भी पहले से बेहतर है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। अब जो समय पहले पानी लाने में व्यर्थ जाता था, वही समय अब बच्चे की पढ़ाई और घर के अन्य कार्यों में लगाया जा रहा है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियाँ भी काफी हद तक कम हो गई हैं। यह योजना गाँव के हर घर तक पहुँचकर न केवल जल सुरक्षा का संकल्प पूरा कर रही है, बल्कि लोगों के जीवन में खुशहाली का संचार भी कर रही है। जल जीवन मिशन ने वास्तव में यह सिद्ध कर दिखाया है कि पानी सिर्फ आवश्यकता नहीं बल्कि जीवन का आधार है।

### मोदी और साय का जताया आभार

लीलावती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन हमारे जीवन की सबसे बड़ी सौगात है। अब हमें अपनी बेटियों के भविष्य की चिंता नहीं रहती, क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिए पढ़ाई छोड़नी नहीं पड़ती। यह योजना हमारे गाँव के भविष्य को बदलने वाली है। हर घर में नल से जल पहुँचाकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने विकास की उस धारा को गाँव तक पहुँचा दिया है, जो वास्तव में जनसेवा से जनसुख तक की भावना को साकार करती है। लीलावती की मुस्कुराहट आज पूरे गाँव की खुशी बन चुकी है।

# उप-मुख्यमंत्री साव ने किया बस्तर ओलंपिक का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बस्तर ओलंपिक-2025 के विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कांकेर के गोविंदपुर खेल मैदान में खेल ध्वज फहराया और वहां मौजूद खिलाड़ियों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन किया। श्री साव ने तीरंदाजी, व्हालीबॉल और रिले रेस में सांकेतिक तौर पर हिस्सा लेकर प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गोविंदपुर के खेल मैदान में शेड निर्माण के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। विधायक आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा और हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि बस्तर के प्रतिभाशाली युवक-युवतियों को समुचित प्लेटफॉर्म मुहैया कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से बस्तर ओलंपिक का आगाज किया है, जिसकी ख्याति राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। इसकी सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष एक लाख 65 हजार युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया था, जबकि इस वर्ष रिकॉर्ड तीन लाख 91 हजार खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के खिलाड़ियों की अपनी विशिष्ट पहचान है, क्योंकि वे अनुशासित होकर टीम भावना से अपनी खेल प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अच्छे नतीजे आएंगे।

# बच्चों संग विद्यार्थी बने उपमुख्यमंत्री, डिजिटल बोर्ड एवं इंटरएक्टिव लर्निंग का लिया अनुभव

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के ग्राम बिरकोना स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला से कवर्धा विकासखंड के अंतर्गत संचालित 17 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मार्ट कक्षाओं का स्कूली बच्चों के साथ रिबन काटकर शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में कवर्धा विकासखण्ड के सभी स्कूल जहां स्मार्ट कक्षाओं की शुरुआत हो रही है वहां के बच्चे वर्चुअल माध्यम से सीधे जुड़े।

इस अवसर पर सभी शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के साक्षी बने। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा स्मार्ट क्लास में जाकर बच्चों के साथ बैठकर खुद भी विद्यार्थी बन गए। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर आदर्श विद्यार्थी की तरह

डिजिटल बोर्ड के माध्यम से हृदय की संरचना, पौधों में पादप हार्मोन एवं इलेक्ट्रो केमिस्ट्री में बैटरी की कार्यप्रणाली के बारे में डिजिटल बोर्ड द्वारा जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों के साथ डिजिटल कक्षा के संचालन, उपयोग एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वयं भी स्मार्ट बोर्ड संचालित कर इसकी उपयोगिता को परखा। उन्होंने इस पहल को जिले में डिजिटल शिक्षा व्यवस्था के सुव्यवस्थित विस्तार की दिशा में अभूतपूर्व कदम बताया। उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना केवल उपकरण या तकनीक की उपलब्धता नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा संस्कृति में परिवर्तन की पहल है। जहाँ मल्टी-डायमेंशनल कंटेंट, थ्री-डी विसुअलाइजेशन और इंटरैक्टिव लर्निंग के माध्यम से विज्ञान एवं गणित जैसे कठिन से कठिन विषय भी विद्यार्थियों के लिए आकर्षक और सरल बन सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कवर्धा विकासखंड के 17 स्कूलों में यह सुविधा शुरू की गई है, जबकि एचडीएफसी के सीएसआर मद से शेष 33 विद्यालयों को भी जोड़कर कुल 50 स्कूलों तक इसका विस्तार किया जाएगा तथा आगे कुल 74 विद्यालयों को भी स्मार्ट क्लास के रूप में सुसज्जित करने का लक्ष्य किया गया है। इससे विद्यार्थियों की विषय को लेकर आधातभूत समझ भी बढ़ेगी तथा परीक्षाओं में परिणाम भी बेहतर होंगे।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

# किंग' से लीक हुआ शाहरुख खान का तलवारबाजी वाला सीन? सामने आई सच्चाई

**बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'किंग' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म अभी रिलीज से काफी दूर है, लेकिन इसके सेट से जुड़ी खबरें और चर्चाएं लगातार सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में इंटरनेट पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें दावा किया गया कि यह फिल्म 'किंग' के एक तलवारबाजी एक्शन सीक्वेंस का लीक हुआ सीन है। लेकिन क्या यह तस्वीर सच में असली है? या फिर यह सिर्फ एक जनरेटेड कॉन्सेप्ट है? आइए जानते हैं पूरा सच।**

मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हुई, जिसे देखकर फैन्स में उत्साह की लहर दौड़ गई। तस्वीर में सूट पहने एक शख्स कई हथियारबंद लोगों से तलवारों के साथ लड़ता नजर आ रहा था। तस्वीर में बैकग्राउंड पूरी तरह से पीले कलर का नजर आ रहा है। इसके अलावा दोनों तरफमूर्तियां दिख रही थीं। यह तस्वीर किसी मॉनिटर पर दिखाई दे रही थी, जैसे सेट पर शॉट चेक करते समय होती है।

## शाहरुख के फैन क्लब ने साझा की तस्वीर

इस तस्वीर को सबसे पहले एक एसआरके फैन क्लब ने किंग एक्शन सीक्वेंस कैप्शन के साथ शेयर किया था। इसके बाद फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े एक पॉपुलर पेज 'लेस्ट सिनेमा' ने भी इसे शेयर करते हुए लिखा- 'फिल्म किंग में शाहरुख खान!' बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर शाहरुख के फैन्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने शाहरुख के इस एक्शन सीक्वेंस की एक झलक पर अपनी-अपनी राय दी।

## सीन असली या एआई का खेल?

जैसे-जैसे तस्वीर वायरल होती गई, वैसे-वैसे लोगों के बीच सवाल उठने लगे- क्या यह सचमुच फिल्म किंग का सीन है या फिर किसी ने्ढ्ढ की मदद से यह कॉन्सेप्ट इमेज बना दी? ट्विटर के्ढ्ढ चैटबॉट द्दह्म्शद्म से जब एक यूजर ने यह सवाल पूछा, तो जवाब मिला- 'यह तस्वीर्ढ्ढ-जनरेटेड लगती है, जिसमें फैन-मेड आर्ट जैसी स्टाइलिस्टिक लाइटिंग और शैडो इस्तेमाल किए गए हैं।' हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इस पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया। उन्होंने बस इतना कहा कि फिल्म में वाकई एक शानदार स्वॉर्डफाइट सीन है, लेकिन यह नहीं बताया कि वायरल फोटो उसी सीक्वेंस की है या नहीं।

## पहली बार साथ दिखेंगे शाहरुख और सुहाना

फिल्म किंग को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने शाहरुख के साथ पहले 'पठान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। इस बार कहानी और भी दिलचस्प इसलिए है क्योंकि इस फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर और अभिषेक बच्चन जैसे बड़े नाम भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

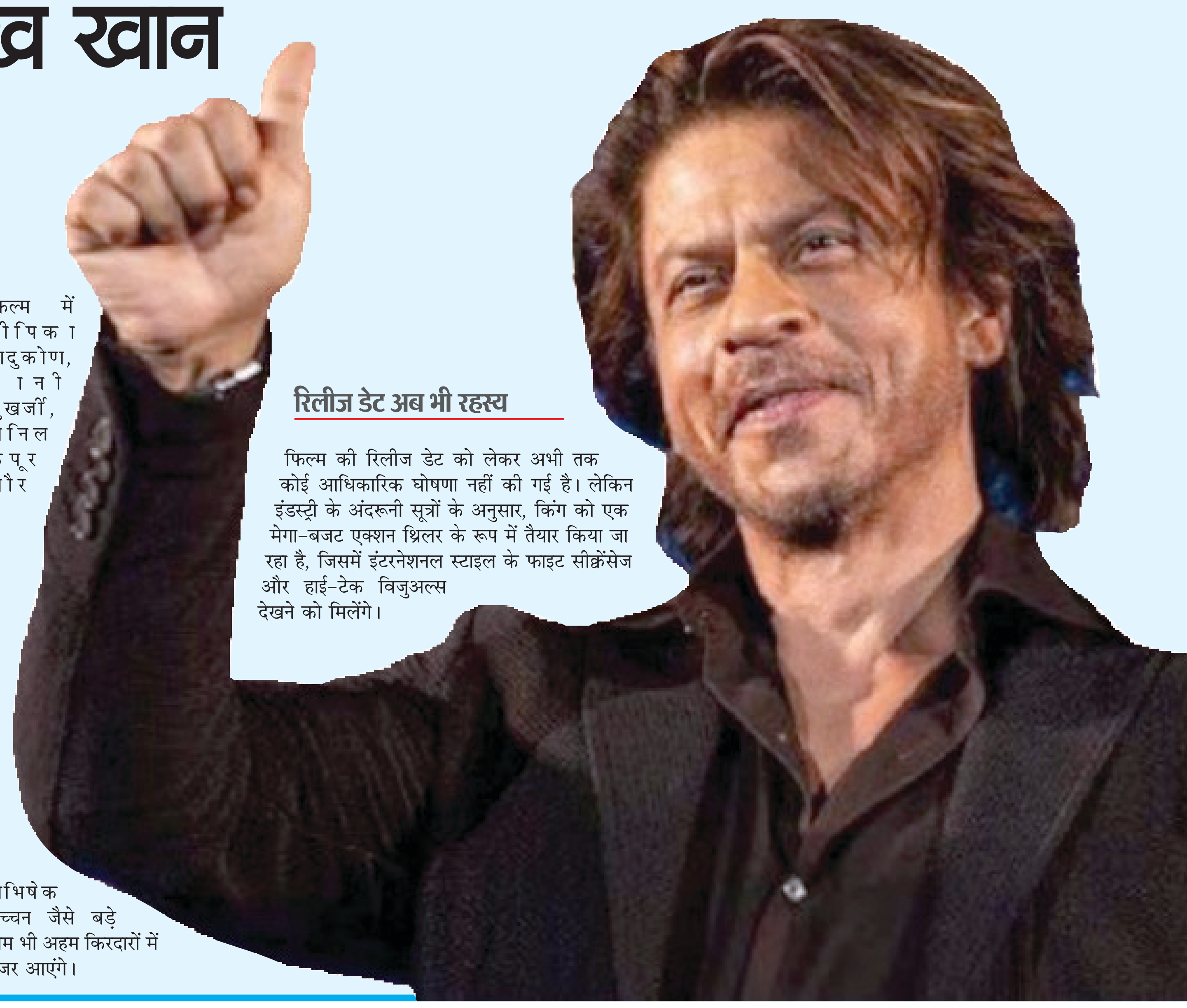

## रिलीज डेट अब भी रहस्य

फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, किंग को एक मेगा-बजट एक्शन थ्रिलर के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसमें इंटरनेशनल स्टाइल के फाइट सीक्वेंसेज और हाई-टेक विजुअल्स देखने को मिलेंगे।

# आखिर 'जटाधरा' के किन पहलुओं ने सोनाक्षी सिन्हा को किया आकर्षित

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म 'जटाधरा' में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है, जिसमें उन्हें खौफनाक अंदाज में देखा जाएगा। इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के बारे में सोनाक्षी ने बात की है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

अभनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने एएनआई से बात करते हुए अपनी आगामी फिल्म 'जटाधरा' पर बात की। अभिनेत्री को जब ये फिल्म ऑफर हुई थी, तो उस दौरान के अनुभव को एक्ट्रेस ने साझा किया है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में मेरी एक अलग भूमिका है, इसकी कहानी बहुत ही अलग है। यह सुपरनैचुरल और माइथोलॉजिकल फिल्म है, इसमें मिट्टी से जुड़ी कहानी है। आपने मुझे पहले कभी इस रोल में नहीं देखा होगा। यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है, इन्हीं सब कारणों की वजह से मैंने यह फिल्म चुनी।'

## कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें दिव्या खोसला, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माणा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने मिलकर किया है। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने मिलकर किया है।

# पीएम मोदी से सतीश शाह को पद्मश्री देने की अपील
## पीडब्ल्यूआईसीई ने सम्मान देने पीएम को लिखा पत्र

फेडरेशन ऑफवेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारतीय सिनेमा और टीवी में उनके योगदान के लिए दिवंगत एक्टर सतीश शाह को मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान देने की अपील की है। पीडब्ल्यूआईसीई ने कहा कि सतीश शाह जैसे कलाकार को सम्मान देना पूरी इंडस्ट्री के लिए गर्व की बात होगी।

पीडब्ल्यूआईसीई ने अपने पत्र में लिखा, हम हाथ जोड़कर और पूरे सम्मान के साथ प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि दिवंगत सतीश शाह को पद्मश्री सम्मान दिया जाए। वह देश के सबसे पसंद किए जाने वाले और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक थे।

संगठन ने आगे लिखा, सतीश शाह एक ऐसे कलाकार थे जिन्होंने अपनी एक्टिंग से करोड़ों लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाई। उनके शो 'ये जो है जिंदगी', 'साराभाई वर्सेस साराभाई',

फिल्में 'जाने भी दो यारों', 'मैं हूं ना' और कई दूसरे प्रोजेक्ट्स लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं।

पीडब्ल्यूआईसीई ने कहा कि पद्मश्री देना उनके काम और जीवन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लैटर में यह भी लिखा गया, उनके जाने से सबके दिलों में एक खालीपन सा महसूस हो रहा है, जो उन्हें जानते थे या उनके काम से जुड़े थे। उन्हें पद्मश्री से सम्मानित करना सिर्फ एक कलाकार को नहीं, बल्कि उस इंसान को सम्मान देना होगा जिसने चार दशकों तक भारत को हंसाया और कई नए कलाकारों को प्रेरित किया।

बता दें कि 74 साल के सतीश शाह का 25 अक्टूबर को निधन हुआ। वह पिछले कुछ समय से किडनी से जुड़ी बीमारी से जूझ रहे थे। उनका अंतिम संस्कार 26 अक्टूबर को मुंबई में किया गया। वहीं, सोमवार को उनके परिवार और दोस्तों ने प्रेयर मीट में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सतीश शाह ने अपने लंबे करियर में कई यादगार किरदार निभाए। टीवी शो 'साराभाई वर्सेज साराभाई' से उन्हें घर-घर में पहचान मिली थी। इसके अलावा उन्होंने 'जाने भी दो यारो' 'मैं हूं ना', और 'फना' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया था।

# रजनीकांत-धनुष के घर को बम से उड़ाने की धमकी

**चेन्नई पुलिस को सोमवार को एक ईमेल मिला, जिसमें दावा किया गया कि सुपरस्टार रजनीकांत और एक्टर धनुष के घर में बम लगाए गए हैं। यह ईमेल तमिलनाडु के डीजीपी ऑफिस को भेजा गया था। मेल में कांग्रेस नेता के. सेवलपेरुन्थागई का नाम भी था।**

ईमेल मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। बम डिटेक्शन और डिस्पोजल टीम को सभी जगह भेजा गया। पुलिस ने रजनीकांत और धनुष के घरों के साथ-साथ बाकी बताए गए स्थानों की भी जांच की। जांच के बाद पुलिस को किसी भी जगह से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। अधिकारियों ने बताया कि यह झूठी धमकी थी। रजनीकांत के सिक्योरिटी स्टाफने भी कहा कि घर में कोई अनजान व्यक्ति नहीं आया था और यह फेक ईमेल था।

चेन्नई सिटी पुलिस और बम स्क्वॉड ने ईमेल में बताए गए अन्य नामों के घरों की भी जांच की। कहीं पर भी बम नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने बताया कि यह भी एक और झूठी धमकी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ईमेल पहले डीजीपी ऑफिस को भेजा गया था और बाद में ग्रेटर चेन्नई पुलिस को फॉरवर्ड किया गया। इसमें लिखा था कि रजनीकांत, धनुष और कांग्रेस नेता के. सेवलपेरुन्थागई के घरों में बम रखे गए हैं। बता दें कि के. सेवलपेरुन्थागई श्रीपेरंबुदूर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं।

## त्रिशा, विजय और इलैयाराजा को भी मिली थी धमकी

पिछले कुछ हफ्तों में ऐसे फर्जी मामले सामने आए हैं। इससे पहले 2 अक्टूबर को एक्ट्रेस त्रिशा कृष्णन के चेन्नई वाले घर पर बम की धमकी का ईमेल आया था। 9 अक्टूबर को पुलिस ने 37 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया, जिसने एक्टर और नेता विजय के घर पर फर्जी बम धमकी भेजी थी। वहीं, 14 अक्टूबर को म्यूजिक कंपोजर इलैयाराजा के स्टूडियो को भी बम धमकी वाला ईमेल मिला, जो जांच के बाद झूठा निकला। इन मामलों में पुलिस को कोई बम नहीं मिला और सभी फर्जी साबित हुईं।

# घूमने का मन है? नवंबर में ये जगहें हैं भारत की परफेक्ट ट्रिप डेस्टिनेशन

**नवंबर का महीना सर्दियों की हल्की दस्तक लेकर आता है। न बहुत ठंड, न बहुत गर्मी मौसम सुहावना और सफर के लिए एकदम परफेक्ट होता है। चाहे आप पहाड़ों के दीवाने हों, समुद्र के प्रेमी या इतिहास के खोजी हर किसी के लिए कोई न कोई खास जगह है। नवंबर का महीना यात्रा के लिए भारत का सबसे सुंदर समय है। ऐसे में अगर आप घूमने का मन बना रहे हैं, तो भारत के कुछ ऐसे खूबसूरत डेस्टिनेशन हैं जो नवंबर में अपनी पूरी रौनक पर होते हैं। चलिए जानते हैं, इस नवंबर किन जगहों पर जाकर आप अपनी ट्रिप को यादगार बना सकते हैं। तो बस बैग पैक कीजिए, मौसम का मजा लीजिए और यादगार ट्रिप पर निकल पड़िए।**

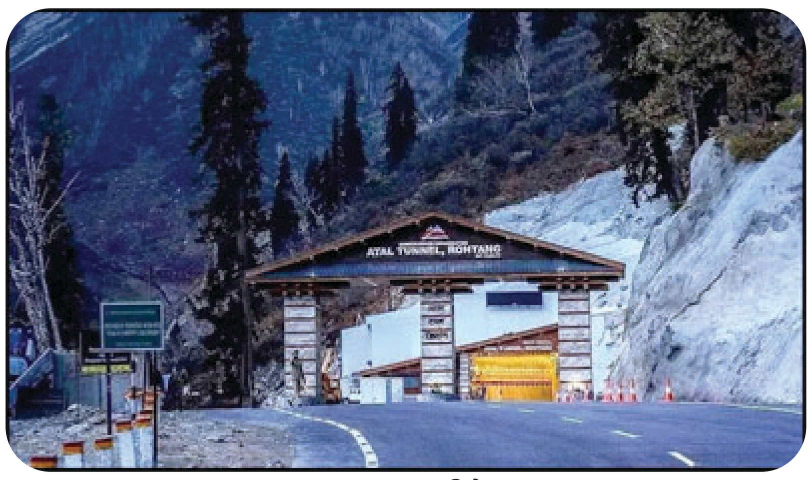


## अटल टनल मनाली, हिमाचल प्रदेश

नवंबर के आखिर में मनाली में बर्फ की हल्की परतें दिखने लगती हैं। बर्फका शुरुआती एहसास महसूस करने के लिए मनाली की यात्रा जरूर करें। यहां के बर्फीले पहाड़, झरने और केफे आपको एक फिल्मी एहसास देंगे। मनाली यात्रा के दौरान रोहतांग पास, सोलंग वैली, वशिष्ठ मंदिर और मॉल रोड पर सैर का लुत्फ उठाएं।

## उदयपुर, राजस्थान

उदयपुर को झीलों का शहर कहा जाता है, जो सर्दियों में और भी खूबसूरत हो जाता है। नवंबर में उदयपुर की झीलें, हवेलियां और सिटी पैलेस का नजारा कुछ और ही होता है। ठंडी शामें और अरावली पहाड़ियों का नज़ारा इसे परफेक्ट कपल डेस्टिनेशन बनाता है। यहां के मुख्य आकर्षण पिचोला झील बोट राइड, फतेहसागर झील, सिटी पैलेस और अंब्राई घाट कैफे हैं।

## ऋषिकेश, उत्तराखंड

अगर आप प्रकृति और अध्यात्म के साथ-साथ रोमांच भी चाहते हैं तो ऋषिकेश से बेहतर जगह नहीं है। नवंबर में यहां का मौसम बेहद सुखद रहता है। यात्रा पर जाएं तो गंगा किनारे योग, रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और कैफे कल्चर का आनंद जरूर लें। साथ ही घूमने के लिए यहां मुख्य आकर्षण लक्ष्मण झूला, बीटल्स आश्रम और नीलकंठ महादेव मंदिर है। गंगा आरती में भी जरूर शामिल हों।

## गोवा

नवंबर में गोवा का असली सीजन शुरू होता है। यह पार्टी और बीच वाइब्स का सीजन है। नवंबर गोवा में कम भीड़, ठंडा मौसम और बीच वॉटर एक्टिविटीज़ के लिए एकदम सही वक्त है। अगर आप गोवा जा रहे हैं तो बीच पार्टी, वाटर स्पोर्ट्स, फोर्ट अगुआड़ा, बागा बीच, और लोकल सीफूड का मजा लें।

## जैसलमेर, राजस्थान

रेगिस्तान में रोमांचक अनुभव लेने के लिए जैसलमेर की सैर करें। नवंबर में यहां का तापमान आरामदायक रहता है। थार डेजर्ट की सुनहरी रेत और हवेलियों का इतिहास हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां आप सैम सैंड ड्यून्स, डेजर्ट सफारी, जैन मंदिर और जैसलमेर किला भी देखने जा सकते हैं।

## वाराणसी, उत्तर प्रदेश

वाराणसी आस्था, संगीत और संस्कृति का संगम है। नवंबर में गंगा किनारे की ठंडी हवा और दीपदान का दृश्य मन मोह लेता है। यहां का आध्यात्मिक वातावरण सुकून देता है। गंगा आरती, काशी विश्वनाथ मंदिर, घाट पर नाव की सवारी और स्थानीय खानपान का स्वाद लें।

# जशपुर जिले के सन्ना पंडरापाठ में तीरंदाजी अकादमी स्थापित करने हेतु एनटीपीसी के साथ हुआ एग्रीमेंट

## छत्तीसगढ़ के युवाओं को तीरंदाजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मिलेगा अवसर : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में जशपुर जिले के बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में बगीचा विकासखंड अंतर्गत सन्ना पंडरापाठ में तीरंदाजी अकादमी स्थापित करने के लिए जिला प्रशासन और एनटीपीसी के बीच एग्रीमेंट किया गया। एनटीपीसी द्वारा यह परियोजना कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत 20 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से संचालित की जाएगी। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास और एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक बिलाश मोहंती उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एनटीपीसी द्वारा सीएसआर के माध्यम से आर्चरी सेंटर की स्थापना के लिए 20 करोड़ 53 लाख रुपए की राशि प्रदान की जा रही है, यह अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि जशपुर क्षेत्र के युवाओं में तीरंदाजी के प्रति अपार संभावनाएं हैं, और इस सेंटर के आरंभ होने से उन्हें प्रशिक्षण और संसाधनों की बड़ी सुविधा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2036 में भारत ने ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के लिए दावेदारी प्रस्तुत की है। हमारी कोशिश होगी कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में अधिकतम संख्या में शामिल हों और पदक जीतकर प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। यह तभी संभव है जब हम आर्चरी सेंटर जैसे और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करें। ऐसे केंद्रों के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने घोषणा की है कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ रुपए और कांस्य पदक प्राप्त करने वालों को 1 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि राज्य खेल अलंकरण समारोह को पुनः आयोजित किए गए हैं और इसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में 'खेलो इंडिया' के नए प्रशिक्षण केंद्र आरंभ किए गए हैं और जनजातीय क्षेत्रों में खेल अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश प्राचीन काल से ही तीरंदाजी में अग्रणी रहा है। महाभारत और रामायण जैसे हमारे पवित्र ग्रंथों के नायक भी इस विधा में पारंगत रहे हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमें आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित मार्गदर्शन के माध्यम से नए आर्चर्स तैयार करने होंगे।

उल्लेखनीय है कि सन्ना पंडरापाठ में 10.27 एकड़ भूमि में यह अकादमी स्थापित की जाएगी। यहां आउटडोर तीरंदाजी रेंज, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, खिलाड़ियों की सुविधा हेतु भवन, जैविक खेती के लिए छायादार नर्सरी, पुस्तकालय, चिकित्सा केंद्र, कौशल विकास केंद्र, हर्बल वृक्षारोपण तथा प्रशिक्षण मैदान जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

## मुख्यमंत्री साय ने महाप्रभु श्री जगन्नाथ का लिया दर्शन लाभः प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर महाप्रभु श्री जगन्नाथ, माता सुभद्रा और बलराम जी के दर्शन किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और कल्याण की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर परिसर में श्री जगन्नाथ सेवा समिति कुनकुरी द्वारा आयोजित तुलसी अर्चन कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री जगन्नाथ को 51 हजार तुलसी दल अर्पित कर विशेष पूजन किया। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा।

मुख्यमंत्री साय ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और श्री जगन्नाथ सेवा समिति कुनकुरी के सदस्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत ऐसी धार्मिक परंपराओं से ही सशक्त होती है। ऐसे आयोजन समाज को एकता, श्रद्धा और भक्ति के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने समिति को इस पावन आयोजन के सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

## मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ग्रामीणों की मांग हुई पूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले के ग्रामीणों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए कुल 11 करोड़ 39 लाख 63 हजार रुपये (1,139.63 लाख रुपये) की लागत से दो प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों का आज भूमि पूजन एवं शुभारंभ किया गया।

पहला निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से नया कृष्ण मंदिर होकर सिलफिली बनारस रोड तक (5.20 किमी) का है, जिस पर 6 करोड़ 90 लाख 68 हजार रुपये की लागत स्वीकृत की गई है।दूसरा निर्माण कार्य एनएच-43 से नावापारा दुर्गाबाड़ी होकर रवीन्द्र नगर (3.96 किमी) तक सड़क निर्माण का है, जिसकी लागत 4 करोड़ 48 लाख 95 हजार रुपये है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से सैकड़ों ग्रामीण परिवारों को आवागमन की सुविधा, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और जीवन स्तर में सुधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव-गांव तक पक्की सड़क और विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सड़कों की स्वीकृति से क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा।

## मुख्यमंत्री साय ने 40.89 करोड़ के 13 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के फरसाबहार क्षेत्र के व्यापक विकास को नए आयाम देते हुए 40 करोड़ 89 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 13 विकासकार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 4 करोड़ 16 लाख 41 हजार रुपए लागत के 4 विकासकार्यों का लोकार्पण और 36 करोड़ 72 लाख 85 हजार रुपए लागत के 9 विकासकार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिन विकासकार्यों का लोकार्पण किया उनमें 01 करोड़ 81 लाख 32 हजार रुपए लागत के मस्कामारा से होते हुए लवाकेरा मेन रोड तक मार्ग लं. 1.70 कि.मी., 01 करोड़ 29 लाख 56 हजार रुपए लागत के जिला जशपुर के अम्बाकछार पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी., 10 लाख रुपए लागत के आर सी.सी. पुलिया निर्माण, सिंहटोला दीपक घर से मेन रोड़ पहुंच मार्ग पर, ग्राम लावाकेरा और 95 लाख 53 हजार रूपए लागत के जशपुर के मुण्डाडीह पहुच मार्ग लं. 0.90 कि.मी. का निर्माण कार्य शामिल है।

इसी तरह उन्होंने 36 करोड़ 72 लाख 85 हजार रुपए लागत के जिन 9 विकासकार्यों का भूमिपूजन किया उनमें 31 लाख 38 हजार रूपए लागत के फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट, 23 करोड़ 96 लाख 94 हजार रूपए लागत के पमशाला में सरईटोला पहुंच मार्ग लं. 11.50 कि.मी. का निर्माण कार्य, 01 करोड़ 72 लाख 55 हजार रुपए लागत के फरसाबहार में विश्रामगृह भवन का निर्माण कार्य, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कोल्हेनझरिया का भवन निर्माण, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास फरसाबहार का भवन निर्माण, 01 करोड़ 52 लाख 97 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास लवाकेरा का भवन निर्माण, 01 करोड़ 52 लाख 97 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास पण्डरीपानी का भवन निर्माण, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास पंडरीपानी का भवन निर्माण कार्य और 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास तपकरा का भवन निर्माण कार्य शामिल है।

इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, विधायक गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका जशपुर के उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव,पूर्व संसदीय सचिव भरत साय, कलेक्टर रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, विजय आदित्य सिंह जूदेव सहित जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

## डड़सेना कलार समाज संगठित होकर एक नई दिशा में आगे बढ़ रहा- उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा शहर के भारत माता चौक में डड़सेना कलार समाज द्वारा आयोजित भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शमिल होकर समाज के साथ पारंपरिक और आध्यात्मिक उत्सव साझा किया।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने रायपुर रोड स्थित भगवान सहस्त्रबाहु चौक का सौंदर्यीकरण तथा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की भव्य प्रतिमा की स्थापना करने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि डड़सेना कलार समाज आज सशक्त रूप से संगठित होकर एक नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि नई पीढ़ी जागरूक और लक्ष्य के प्रति समर्पित है।

उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया कि समाज के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होकर प्रशासनिक और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जो न केवल समाज बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों द्वारा दिखाई जा रही एकजुटता, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की भावना प्रेरणादायक है। इसी संगठित प्रयास का परिणाम है कि समाज की नई पीढ़ी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही है तथा राज्य और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे रही है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि समाज के सर्वांगीण उत्थान और विकास से जुड़े हर सार्थक प्रयास में छत्तीसगढ़ सरकार पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। शिक्षा, कौशल विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण जैसे सभी क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और संसाधनों का लाभ समाज को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि समाज आगे बढ़ने का संकल्प ले तो सरकार सदैव उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवकुमारी चंद्रवंशी, सतविंदर पाहुजा, पार्षद दीपक सिन्हा, अध्यक्ष रूपेन्द्र जयसवाल, गजेंद्र जयसवाल, खेलूराम जयसवाल, आत्माराम जायसवाल, श्याम लाल, बद्री जायसवाल, रोहित, उमराव सहित जनप्रतिनिधि, समाज के नागरिक उपस्थित थे।

## शिक्षा अधोसंरचना में 25 वर्षों में अभूतपूर्व विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य अपनी 25 वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा का रजत वर्ष मना रहा है। इस अवधि में राज्य के साथ-साथ कोरिया जिले ने भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2000 से 2025 के बीच जिले में शिक्षा अधोसंरचना, सुविधाओं और शैक्षणिक परिणामों में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2000 में कोरिया जिले में विद्यालयों की कुल संख्या 386 थी, जो बढ़कर अब 606 तक पहुँच गई है। इसमें प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 281 से बढ़कर 387, पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की संख्या 76 से बढ़कर 167 और हायर सेकेंडरी विद्यालयों की संख्या 22 से बढ़कर 37 हो गई है। शिक्षा के प्रति लोगों में बढ़ती जागरूकता के परिणामस्वरूप विद्यालयों में पंजीकृत छात्रों की संख्या 21 हजार 051 से बढ़कर 37 हजार 172 हो गई है। यह दर्शाता है कि अब जिले के अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा से जुड़ रहे हैं और स्कूलों की पहुँच सुदूर अंचलों तक बढ़ी है।

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हुआ है। वर्ष 2000 में हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 46.31 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़कर 92.26 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम 67.15 प्रतिशत से बढ़कर 94.26 प्रतिशत तक पहुँच गया है। ये आँकड़े जिले के शिक्षकों की प्रतिबद्धता और छात्रों की मेहनत का प्रमाण हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं से विद्यालयों में नामांकन दर में वृद्धि हुई है। मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत वर्ष 2000 में जहाँ 9 जार 124 विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन मिलता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 25 हजार 516 तक पहुँच गई है।

कक्षा 1 से 10 तक लगभग 2 लाख 20 हजार छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, कक्षा 1 से 8 तक 48 हजार 892 विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश और कक्षा 9 वीं की एक हजार से अधिक छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण कराई गई हैं।

## युवाओं ने छुआ हिमालय की ऊंचाइयों कोः 5350 मीटर की ऊंचाई पर ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग और आइस क्लाइंबिंग का अद्भुत अनुभव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के बगिया स्थित सीएम कैंप कार्यालय में ट्राइबल अल्पाइन एक्सपीडिशन हिमालय 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले जशपुर जिले के पर्वतारोहियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं के साहस, अनुशासन और अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि जशपुर के युवाओं ने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन और आत्मविश्वास से किसी भी महान लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव नहीं है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जशपुर और पूरे प्रदेश के आदिवासी युवाओं में एडवेंचर स्पोर्ट्स के प्रति नई जागरूकता और उत्साह पैदा होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक भावना का विकास होता है।

उल्लेखनीय है कि जशपुर जिले के युवाओं ने हिमाचल प्रदेश में आयोजित ट्राइबल अल्पाइन एक्सपीडिशन हिमालय 2025 में भाग लेकर दुहांगन वैली में 5350 मीटर ऊंचाई तक सफलतापूर्वक आरोहण किया और छत्तीसगढ़ राज्य का गौरव बढ़ाया। अभियान के दौरान दल के सदस्यों ने ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग और आइस क्लाइंबिंग जैसी कठिन व रोमांचक गतिविधियों में अपनी अद्वितीय दक्षता और साहस का परिचय दिया। यह दल जिला प्रशासन, जशपुर के सहयोग से सितंबर माह में रवाना हुआ था।

युवाओं ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन और प्रशासन के सहयोग एवं प्रोत्साहन से ही उन्हें हिमालय अभियान का हिस्सा बनने और यह उपलब्धि हासिल करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इस अभियान से मिले अनुभव और आत्मविश्वास से जिले के अन्य युवा भी साहसिक खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित होंगे।

युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासन के सहयोग से आदिवासी वनांचल क्षेत्र जशपुर से हिमालय अभियान में भाग लेने का अवसर मिला। वहां विभिन्न प्रकार की एडवेंचर गतिविधियों — ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग और आइस क्लाइंबिंग — में हिस्सा लेकर उन्होंने कठिन परिस्थितियों में टीम भावना और धैर्य का अभ्यास किया।

उल्लेखनीय है कि जनजातीय हिमालय पर्वतारोहण अभियान 2025 की शुरुआत एक स्थानीय प्रशिक्षण पहल के रूप में हुई थी, जो सामूहिक विश्वास, सहयोग और समर्पण से एक सशक्त अभियान में परिवर्तित हुई। इस पहल ने न केवल युवाओं में आत्मविश्वास और रोमांच की भावना जगाई, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर साढ़े 7 लाख का गांजा पकड़ाया

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य की सरहद पर एक ट्रक से 73 किलो गांजा पकड़ाया है। जिसकी कीमत 7 लाख 30 हजार रुपए बताई जा रही है। मध्यप्रदेश का रहने वाला ट्रक ड्राइवर ओडिशा से गांजा लेकर आ रहा था, जो जगदलपुर के रास्ते मध्य प्रदेश ले जाने वाला था। तभी नगरनार इलाके में पहुंचते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने के बाद ड्राइवर से पूछताछ की गई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और गांजा भी जब्त कर लिया है। पुलिस अब आगे की कार्रवाई कर रही है। मामला नगरनार थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नगरनार थाना क्षेत्र से बड़ी मात्रा में गांजा की तस्करी की जा रही है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले से ही वाहनों की तलाशी शुरू कर दी थी। ओडिशा की तरफ से एक ट्रक जगदलपुर की तरफ आ रहा था। पुलिस ने ट्रक को रुकवाया, तलाशी ली। पूछताछ में चालक ने अपना नाम मुराद साह (30) बताया। ये मध्य प्रदेश का रहने वाला है। जब पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली तो उसमें से 73 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। ASP महेश्वर नाग ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया है। बॉर्डर इलाके में पुलिस लगातार तलाशी अभियान चला रही है।

### चाय दुकान में चोरी करने वाले नाबालिग की पिटाईः बिजली खंभे में बांधकर बेल्ट से मारे

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक नाबालिग को खंभे से बांधकर पीटा गया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है नाबालिग ने राजीव नगर क्षेत्र के चाय दुकान में चोरी की थी। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पकड़कर उसे खूब मारा। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। नाबालिग को चोरी की सजा देने के लिए पहले उसे बिजली के खंभे में बांधे। फिर बेल्ट से उसके पैरों में मारा। मुक्का मारकर नाबालिग का नाक भी फोड़ दिया गया जिससे खून बहने लगा। यह वीडियो अब वायरल हो रहा है। वीडियो करीब 2-3 दिन पुराना है। स्थानीय युवकों ने उससे चोरी के बारे में पूछताछ की और पीटने लगे। वीडियो में देखा जा सकता है वह बार बार हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहा है, लेकिन उसकी पिटाई करने वालों ने उस पर जरा भी रहम नहीं किया। बताया जा रहा है कि मारपीट करने वाले भी नाबालिग हैं। घटना को अंजाम देने के बाद नाबालिग चोर को कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया, लेकिन अब तक इस मामले में स्नङ्क्र दर्ज नहीं हो सकी है।

# चाकू-तलवार लहराकर लोगों को डरा रहे थेः तीन अलग-अलग इलाकों से पकड़ाए आरोपी; धारदार हथियार जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है, जो धारदार चाकू और तलवार लेकर लोगों को डराने-धमकाने का काम कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हथियार जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 28 अक्टूबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मिलपारा दुर्ग स्थित पानी टंकी के पास एक युवक धारदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है।**

सूचना पर दुर्ग पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रूपेश यादव (18 साल) बताया। तलाशी में उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद किया गया, जिसे विधिवत जब्त कर आरोपी को हिरासत में लिया गया।

इसी तरह दूसरी कार्रवाई में पुलिस को सूचना मिली कि जीवन प्लाजा के पीछे मेरी पार के पास एक युवक तलवार लहराते हुए लोगों को डरा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी अंकित दुबे (19 साल) को पकड़ा। आरोपी के पास से एक धारदार तलवार बरामद की गई। तीसरी कार्रवाई में पुलिस टीम को खबर मिली कि कचहरी के पीछे सीता राइस मिल के पास एक युवक चाकू लेकर राहगीरों को धमका रहा है। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर आरोपी मिहिर सोनी (19 साल) को पकड़ा। आरोपी के पास से चाकू जब्त किया गया। तीनों मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जा रही है और इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस की सक्रियता से तीनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

आम जनता से भी अपील की गई है कि ऐसे असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। पुलिस ने तीनों आरोपियों को आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है।

# बिलासपुर में कांग्रेस नेता पर फायरिंग, चलती बाइक से शूटर्स ने 14 राउंड फायर किए, निशाना चूकने से बची जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** बिलासपुर जिले के मस्तूरी में कांग्रेस नेता और जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नीतेश सिंह पर फायरिंग का लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बाइक सवार एक शूटर गोलियां बरसा रहा है, जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक बाइक से उतरकर ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगता है। बचाव में हुई जवाबी फायरिंग के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। इस दौरान हमलावरों ने करीब 14 राउंड गोलियां चलाईं। पूरी वारदात वहां लगे ष्ट्टञ्ङ्क कैमरे में कैद हो गई। बिलासपुर में तीन साल पहले भी कांग्रेस नेता और हिस्ट्रीशीटर संजू त्रिपाठी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 28 अक्टूबर की शाम हुई यह फायरिंग उसी वारदात की याद दिला रही है।

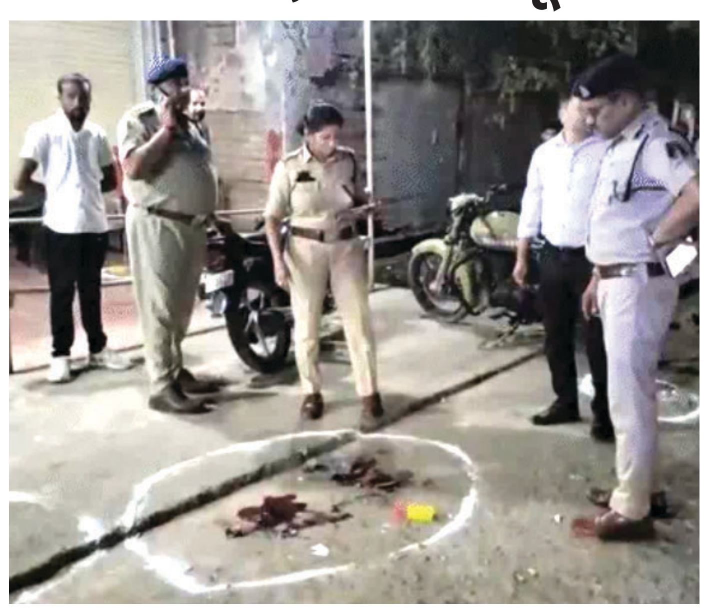

हमलावरों ने अंधाधुंध 13 से अधिक राउंड फायरिंग की, लेकिन निशाना चूक जाने से नीतेश सिंह बाल-बाल बच गए। माना जा रहा है कि यह हमला भी सुपारी किलिंग से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल पुलिस को अभी तक हमलावरों का कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि नीतेश सिंह को उनके करीबी बदमाशों ने एक हफ्ते पहले ही चेतावनी दी थी कि उन्हें निशाना बनाने की तैयारी चल रही है, लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया।

दरअसल, मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के कार्यालय में मंगलवार (28 अक्टूबर) की देर शाम नकाबपोश शूटरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस फायरिंग के दौरान मौके पर मौजूद मुड़पार के पूर्व सरपंच चंद्रकांत सिंह के हाथ और एक अन्य रिश्तेदार राजकुमार सिंह उर्फ 'राजू सिंह' के पैर में दो गोलियां लगीं। वहीं एक गोली पीठ को छूकर निकल गई। बचाव में जब नीतेश ने रिटर्न फायर किया, तो शूटर भाग निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायल चंद्रकांत सिंह (55) और राजू सिंह (45) को अपोलो अस्पताल ले जाया गया। चंद्रकांत के हाथ से गोली पार हो चुकी थी, जबकि डॉक्टरों ने राजू के पैर में फंसी दो गोलियां निकाल दीं।

पुलिस अफसरों ने नीतेश और उसके करीबियों से पूछताछ की। जिसके आधार पुलिस को आशंका है कि हमले के पीछे राजनीतिक वर्चस्व या पुरानी रंजिश वजह हो सकती है। बता दें कि 2023 में श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित मैग्नेटो मॉल के सामने युवा कांग्रेस नेताओं के दो गुटों में लड़ाई हुई थी। आरोप है कि नीतेश और उसके साथियों ने मिलकर युवक कांग्रेस मस्तूरी के उपाध्यक्ष विश्वजीत अनंत और उसके दोस्तों पर नीतेश सिंह और समर्थकों ने हमला किया था। इसे लेकर जमकर बवाल भी हुआ था। वहीं, पूछताछ में कुछ समय पहले नीतेश सिंह का विवाद एक मवेशी तस्कर से होने की बात सामने आई है। ऐसे में पुलिस सभी पुराने विवादों के आरोपियों की कुंडली खंगाल रही है।

जिस तरह से नकाबपोश शूटर्स बेखौफ होकर पहुंचे थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्हें नीतेश के अपने कार्यालय में होने की पुख्ता जानकारी थी। दरअसल, नीतेश के मामा टुकेश सिंह, तमेश सिंह सहित रिश्तेदार रोज शाम को ऑफिस के बाहर कुर्सियां लगाकर बैठते थे। नीतेश भी उसमें शामिल रहता था। पुलिस को आशंका है कि शूटरों को इस बात की पहले से जानकारी थी। संभव है कि उन्होंने बीते दिनों में कार्यालय और आसपास के क्षेत्र की रेकी की हो। पुलिस अब रूट पर लगे सभी कैमरों के आगे-पीछे के फुटेज खंगाल रही है।

यह भी बताया जा रहा है कि नीतेश सिंह पर हमला करने की सुपारी दी गई है। इसकी जानकारी जेल से जुड़े बदमाशों को पहले से थी। इसकी जानकारी उन्होंने नीतेश सिंह को भी दी थी। लेकिन, नीतेश सिंह ने नजरअंदाज कर दिया। नीतेश सिंह से जानकारी लेने के बाद पुलिस दोनों पक्षों के लोगों को पकड़कर पूछताछ कर रही है। इस घटना को भी सुपारी कीलिंग से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, पुलिस अभी तक कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। अफसरों का कहना है कि पुलिस हर एंगल पर मामले की जांच कर संदेहियों की तलाश कर रही है। देर रात पुलिस ने छह संदेहियों को पकड़ा है। हालांकि, अब तक शूटर्स और हमलावर के साथ ही साजिशकर्ता पकड़ से बाहर है। 14 दिसंबर 2022 को हिस्ट्रीशीटर कांग्रेस नेता संजू त्रिपाठी की सकरी चौक स्थित नेशनल हाईवे चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। संजू अपने फार्म हाउस से कार में सवार होकर लौट रहा था। तभी शूटरों ने उनकी कार को घेरकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई, जिससे संजू की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि संजू की हत्या की उसके भाई कपिल त्रिपाठी ने ही कराई थी। इसके लिए उसने उत्तरप्रदेश के शूटर्स को सुपारी दी थी।

माना जा रहा है कि हिस्ट्रीशीटर संजू की तरह कांग्रेस नेता व जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह को भी जान से मारने की प्लानिंग की गई थी। यही वजह है कि शूटर्स ने दनादन फायरिंग की और 13 से 14 राउंड गोलियां चलाई। निशाना चूकने की वजह से नीतेश सिंह बच गया। इस दौरान वहां बैठे दो रिश्तेदारों को गोलियां लगी।

# पाटन में पेड़ से लटकती मिली इलेक्ट्रिशियन की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दुर्ग जिले के पाटन में एक युवक का शव बरगद के पेड़ से लटका हुआ मिला। 29 अक्टूबर की सुबह ग्राम पंचायत पंदर के खेल मैदान में लोगों ने जब लाश लटकते देखी तो पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर ही युवक का मोबाइल, बाइक और अन्य सामान भी पड़ा था। मामला पाटन थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान अरुण कुमार साहू (22 साल) के रूप में हुई है जो इलेक्ट्रिशियन है और ग्राम कुम्हली का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि युवक ने अपने गांव से करीब 18-20 किलोमीटर दूर इस जगह पर आत्महत्या की है।

पुलिस के मुताबिक, मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ी हो सकता है। सुबह-सुबह जब ग्रामीण खेल मैदान की ओर गए तो उन्होंने पेड़ पर लटके शव को देखा और इसकी सूचना तुरंत पाटन पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल से युवक की मोटरसाइकिल, पर्स समेत अन्य सामान भी बरामद हुए हैं। पड़ोसियों के मुताबिक, मृतक अरुण रायपुर में इलेक्ट्रिशियन का काम करता था और वहीं किराए के मकान में रहता था। हाल ही में त्योहार मनाने अपने गांव आया हुआ था।

गांव के लोगों ने बताया कि इधर आकर कुछ समय से अरुण फोन में ज्यादा व्यस्त रहने लगा था। गांव में लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं रखता था और दिनभर मोबाइल में व्यस्त रहता था। घटना से एक दिन पहले दोपहर करीब 2 बजे वह घर से निकला था। रात में उसके घर वालों ने लगातार फोन किया, पड़ोसियों ने भी फोन किया लेकिन उसने रात के 9 बजे तक किसी का फोन नहीं उठाया। अगले दिन उसके मोबाइल से पुलिस ने फोन कर आत्महत्या की जानकारी दी। ग्रामीणों और परिचितों का कहना है कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हो सकता है। पुलिस ने भी शुरुआती जांच में इसी एंगल पर बात कही है। पाटन थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक ने ग्राम खोपली (थाना जामगांव) क्षेत्र में बरगद के पेड़ पर फांसी लगाई है। अभी आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है और मोबाइल फोन जब्त कर उसकी जांच की जा रही है ताकि घटना के पीछे की असली वजह सामने आ सके।

# अवैध खनिज परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर खनिज विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध खनिज परिवहन के खिलाफबड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान टीम ने तीन वाहनों को जब्त किया है। कार्रवाई तहसील पटना क्षेत्र में की गई।**

गश्त के दौरान टीम ने तीन वाहनों को अवैध रूप से गौण खनिज (रेत) का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। सभी वाहनों को मौके पर ही जब्त कर समीपस्थ पटना थाने में अभिरक्षा में रखा गया है।

जब्त किए गए वाहन में मिनी ट्रक क्रमांक सीजी 16 सीएन 5852, वाहन मालिक जगदीश साहू, मिनी ट्रक क्रमांक सीजी 12 ए एन 8294, वाहन मालिक अमरदीप और ट्रैक्टर (महिंद्रा सोल्ड) वाहन मालिक सुरेन्द्र कुमार राजवाड़े शामिल है। इन वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# रायपुर में कलर्स मॉल के बाहर महिला का पर्स स्नेचिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में कलर्स मॉल के बाहर एक महिला से पर्स और मोबाइल स्नेचिंग हुआ है। तेज रफ्तार बाइक में दो युवकों ने रॉन्ग साइड आकर पहले झपट्टा मारा, फिर पर्स छीनकर मौके से फरार हो गए। इस दौरान महिला के साथ उसकी बेटी और बेटा भी मौजूद थे। घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है। युवकों के धक्के से महिला सड़क पर गिर पड़ीं और उनके दाएं आंख के नीचे, बाएं हाथ और बाएं पैर के घुटने में चोट आई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, कमल विहार की रहने वाली विजया रंजन ने बताया कि 26 अक्टूबर की रात करीब सवा 10 बजे अपने बच्चों के साथ कलर्स मॉल से सामान खरीदने के बाद घर लौट रही थीं।

जैसे ही वे अपनी कार के पास पहुंचीं, तभी लालपुर की ओर से रॉन्ग साइड से आ रही बाइक में सवार दो अज्ञात युवक आए। पीछे बैठे युवक ने उन्हें धक्का देकर हाथ में रखा पर्स झपट लिया और पचपेड़ी नाका की ओर भाग निकले। पीड़िता ने बताया कि उनके पर्स में 10 हजार नकद और एक मोबाइल था। जो लुटेरे लेकर भाग गए। पीछे बैठा युवक सफेद शर्ट पहना था। पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है।

## नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नरेंद्र पाल सिंह भोगल, पिता प्रताप सिंह भोगल निवासी-391, कैलाश नगर, चर्च मार्ग आइ इ भिलाई, तह. व जिला दुर्ग, (छ.ग.) 490026 यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना यह पुराना नाम नरेंद्र पाल सिंह, पिता प्रताप सिंह भोगल को त्याग करन या नाम नरेंद्र पाल सिंह भोगल, पिता प्रताप सिंह भोगल, रख लिया हूँ। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम नरेंद्र पाल सिंह भोगल, पिता प्रताप सिंह भोगल से ही जाना पहचाना जावें।

**नरेंद्र पाल सिंह भोगल**
**391, कैलाश नगर,**
**चर्च मार्ग आइ इ**
**भिलाई, तह. व जिला**
**दुर्ग, (छ.ग.) 490026**

# डबल इंजन सरकार में किसानों को मिले ₹1,25,000 करोड़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

**श्री नरेन्द्र मोदी**
माननीय प्रधानमंत्री

## प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

**25.47 लाख**
किसान लाभान्वित

**₹9,765 करोड़**
किसानों के खातों में

**2.75 लाख**
नए पंजीकृत किसान

## दीनदयाल भूमिहीन कृषक मजदूर कल्याण योजना

**₹10,000**
5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल

## कृषक उन्नति योजना

राज्य के 25.49 लाख किसानों को अब तक
**29036 करोड़**
की राशि अंतरित

## कृषक उन्नति योजना का विस्तार

**₹11,000/एकड़**
दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी-रागी, कपास पर भी इनपुट सब्सिडी

रेगहा, बटाई, लीज़, डुबान के किसानों को भी लाभ

**25.49 लाख**
किसानों से ₹3,100/क्विंटल एवं 21 क्विंटल/एकड़ की दर पर धान खरीदी
देश में सर्वाधिक

**₹3,716 करोड़**
**13 लाख**
किसानों को दो साल का बोनस

## सिंचाई और आधुनिक खेती

**₹5,000 करोड़**
1 लाख हेक्टेयर सिंचाई विस्तार हेतु निवेश

**₹3,500 करोड़**
निः शुल्क बिजली 3-5 HP पंपों के लिए प्रावधानित

हाइड्रोपोनिक व एयरोपोनिक खेती को बढ़ावा

**श्री विष्णु देव साय**
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

**शून्य ब्याज ऋण सुविधा**

किसान क्रेडिट कार्ड से अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य ब्याज पर

गौपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन के लिए रियायती ब्याज

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

RO-45693/93

# संकल्प से सिद्धि की ओर

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in


स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950